इंदौर, सोमवार 17 नवंबर 2025
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 18
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
# इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

## अंदर के पन्नों पर...

क्यूआर पर मिलेगी ऑटो चालकों की डिटेल

पेज-2

हार के लिए पिच को जिम्मेदार नहीं मानते-गौतम गंभीर

पेज-5

प्रदेश में कड़ाके की ठंड 2 दिन चलेगी शीतलहर

पेज-6

## न्यूज ब्रीफ

- सबरीमाला विवाद : आज द्वारपालक मूर्ति की तांबे की प्लेटों और दरवाजे के फ्रेम से सैंपल लेगी एसआईटी
- दिल्ली की हवा 'गंभीर' श्रेणी में पहुंची, 427 हुआ एक्यूआई, घने स्मॉग से ढका शहर
- बिहार में नई सरकार की शपथ ग्रहण की आ गई तारीख... गांधी मैदान में होगा समारोह, पीएम मोदी भी होंगे शामिल
- शेख हसीना पर आज फैसला सुनाएगा आईसीटी, सुप्रीम कोर्ट ने दिए सेना तैनात करने के आदेश
- पुडुचेरी : भारी बारिश की वजह से कराईकल जिले के स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की गई
- आज दिल्ली में पीएम मोदी से मिलेंगे कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया
- पटना : आरजेडी के नवनिर्वाचित विधायकों की आज दोपहर होगी बैठक
- नीतीश कुमार आज अपने पद से इस्तीफा देकर नई एनडीए सरकार के गठन का रास्ता साफ करेंगे

### प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट

# मालिनी और भार्गव बन सकते हैं मंत्री!



**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**भोपाल** ■ बिहार चुनाव के बाद मध्य प्रदेश के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारे में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई है। मंत्रियों के साथ विधायकों का भी रिपोर्ट कार्ड तैयार हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि यदि मध्य प्रदेश में भी गुजरात फॉर्मूला लागू किया गया तो कई सीनियर विधायकों को दोबारा मंत्री बनने का मौका मिल सकता है। वहीं, मंत्रिमंडल के कुछ सीनियर सदस्यों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। दरअसल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बता चुके हैं कि बिहार चुनाव के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति होगी। ऐसे में सूत्र कहते हैं कि नए अध्यक्ष की टीम में मध्य प्रदेश से भी सीनियर लीडर्स शामिल हो सकते हैं। इस तस्वीर के साफ होने के बाद ही मोहन यादव मंत्रिमंडल की तस्वीर साफ होगी।

### वरिष्ठ विधायक फिर बन सकते हैं मंत्री

भाजपा सूत्रों का कहना है कि वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव, मालिनी गौड़ और बृजेंद्र प्रताप सिंह मंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं। इन्हें जातीय समीकरण साधने के लिए बनाए गए मंत्रियों के कारण मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल पाई थी।

### दो महिलाओं को शामिल किया जा सकता है

*मंत्रिमंडल विस्तार की इस कवायद में दो महिलाओं को मौका मिल सकता है। इंदौर की पूर्व मेयर और चार बार की विधायक मालिनी गौड़ इस रेस में सबसे आगे हैं। दरअसल, इंदौर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। यही वजह है कि इंदौर का प्रभार उन्होंने अपने पास रखा है। इंदौर से अभी कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट मंत्रिमंडल में शामिल हैं।*

### कांग्रेस से आए कमलेश शाह को मिल सकता है मौका

कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह को कैबिनेट में मौका मिल सकता है। उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की थी। कमलेश शाह को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का सबसे खास माना जाता था। कमलेश शाह के बीजेपी जॉइन करने के बाद अमरवाड़ा सीट पर उपचुनाव हुआ। उन्होंने कांग्रेस के धीरेन शाह को 3705 वोट के अंतर से हराया था। कमलेश शाह को बीजेपी ने मंत्री बनाने का कमिटमेंट किया था। जब कांग्रेस से आए रामनिवास रावत को मंत्री बनाया गया, तब भी कमलेश शाह को मंत्री बनाए जाने के कयास लगाए गए थे। उस वक्त उन्हें जगह नहीं मिल पाई, लेकिन सूत्र बताते हैं कि इस बार उन्हें एडजस्ट किया जा सकता है।

### बृजेंद्र प्रताप सिंह संघ और संगठन की पसंद

पन्ना से विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह शिवराज सरकार में खनिज मंत्री थे, लेकिन डॉ. मोहन मंत्रिमंडल में उन्हें जगह नहीं मिली। उन्हें प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का करीबी माना जाता है। वे चार बार के विधायक हैं और क्षत्रिय समाज से आते हैं। इस कारण जातिगत समीकरण भी उन्हें मंत्री पद नहीं मिलने की एक वजह बताई गई। सिंह को संघ और संगठन की पसंद बताया जाता है।

सीधी से विधायक रीति पाठक को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है, बशर्ते उन्हें महिला मोर्चा का अध्यक्ष न बनाया जाए। दरअसल, बीजेपी ने 2023 के विधानसभा चुनाव में तीन केंद्रीय मंत्रियों समेत 7 सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था। इनमें से 5 विधायक चुने गए थे। इनमें से नरेंद्र सिंह तोमर विधानसभा अध्यक्ष बनाए गए हैं। बाकी तीन मोहन कैबिनेट में शामिल हैं।

### एमजीएम मेडिकल कॉलेज में हुआ एक और कारनामा

# लिपिक को बना दिया नियम विरुद्ध स्टेनोग्राफर

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** ■ एमजीएम मेडिकल कॉलेज मे कार्यरत छोटे बाबू (निम्न श्रेणी लिपिक) को नियमों परे जाकर जोड़-तोड़ से प्रमोशन दे दिया गया था। अब यह प्रमोशन बाबू के लिए मुसीबत बन गया है, क्योंकि पूरी नौकरी तो प्रमोशन लेकर कर ली, लेकिन पेंशन का जब समय आया, तो मामला खुल गया और कोषालय द्वारा उक्त बाबू की पेंशन रोके जाने के आदेश जारी किए गए हैं।

गौरतलब है कि मेडिकल कॉलेज में कार्यरत निम्न श्रेणी लिपिक सुनील कुमार वर्मा को नियमों के परे जाकर वरिष्ठ स्टोनोग्राफर के पद पर पदोन्नति दे दी गई थी। इस मामले में शिकायत की गई, तो जांच बैठी, जांच में शिकायत सही पाई । बाबू क्योंकि दो माह बाद सेवानिवृत्त



होने जा रहा है। इसके चलते कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा संभाग, इंदौर द्वारा इस संबंध में गत दिनों एक आदेश जारी किया गया है।

**यह है पूरा मामला**-सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज इन्दौर में कार्यरत सुनील कुमार वर्मा को डीन, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इन्दौर के जारी आदेश क्र. 332-33 जनवरी 1985 अनुसार निम्न श्रेणी लिपिक के पद पर प्रथम नियुक्ति दी गई थी। नियुक्ति आदेश में दी गई शर्त अनुसार वर्मा द्वारा हिन्दी मुद्र लेखन परीक्षा उत्तीर्ण कर निम्न श्रेणी लिपिक पद पर हुई नियुक्ति के समर्थन में सेवा अभिलेखों में सम्मिलित किया गया था। राज्य शासन के एक आदेश के मुताबिक कार्यालयों के सर्वगों में शीघ्र लेखकों (स्टेनोग्राफर) के 33 प्रतिशत पदों पर स्टेनो टाईपिस्टों को विभागीय परीक्षा लेकर स्टेनोग्राफर के पद पर नियुक्ति दी जाये बशर्ते कि वे मप्र शीघ्र लेखन/स्टेनोग्राफर म.प्र. परिषद/मान्यता प्राप्त संस्था से शीघ्र लेखन परीक्षा / स्टेनोग्राफर उत्तीर्ण हो, जो वर्मा के सेवा अभिलेखों में प्रस्तुत नहीं किया गया है। वर्मा द्वारा निम्न श्रेणी लिपिक से सीधे उच्च वेतनमान में स्टेनोग्राफर के पद पर नियम विरुद्ध पदोन्नति प्राप्ति के पश्चात एवं पूर्व में स्टेनोग्राफर की पात्रता रखने तथा स्टेनोग्राफर परीक्षा उत्तीर्ण सम्बंधी कोई भी प्रमाण-पत्र सेवा अभिलेखों में दर्ज / मर्ज नहीं कराया गया। इसका कि ये प्रतिमाह रू. 92 हजार वेतन प्राप्त कर स्वयं आर्थिक लाभ अर्जित कर शासन को वित्तीय हानि पहुंचा रहे हैं। प्रति वर्ष 11 लाख 4 हजार रुपए के मान से अब तक लाखों रुपए का वेतन मिल चुका है।

### डीन को जारी किए गए आदेश

इस मामले में एक गोपनीय शिकायत संभागीय संयुक्त संचालक, कोष एंव लेखा इंदौर, संभाग इंदौर को की गई थी। इस पर जांच के बाद एक पत्र जारी कर डीन, एमजीएम मेडिकल कॉलेज को जारी करते हुए आदेशित किया गया है कि मेडिकल कॉलेज इंदौर में कार्यरत निम्न श्रेणी लिपिक से वरिष्ठ स्टेनोग्राफर के पद पर भर्ती नियम एवं म.प्र. शासन कार्मिक सुधार एवं प्रशिक्षण विभाग के जारी आदेश के विरूद्ध अवैध रूप से पदोन्नत सुनील कुमार वर्मा को हुई शिकायत जांच में दोषी पाये जाने एवं अन्य जांच कार्यवाही प्रचलन में होने से सुनील वर्मा का पेंशन प्रकरण लंबित रखा जाए।

## मक्का से मदीना जा रही बस का एक्सीडेंट, 42 की मौत!

**दुबई (एजेंसी)** ■ सऊदी अरब के मुफरिहत इलाके में मक्का से मदीना जा रही बस और डीजल टैंकर की टक्कर में हैदराबाद के 42 उमरा तीर्थयात्रियों की मौत की आशंका है। बस में महिलाएं और बच्चे भी सवार थे। राहत-बचाव कार्य जारी है। सऊदी अरब में सोमवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें हैदराबाद के कम से कम 42 उमरा तीर्थयात्रियों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। यह हादसा भारतीय समयानुसार रात 1:30 बजे मक्का से मदीना जा रही एक यात्री बस और डीजल टैंकर की भीषण टक्कर के बाद हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक दुर्घटना मुफरिहत इलाके में हुई। बताया जा रहा है कि बस में करीब 20 महिलाएं और 11 बच्चे सवार थे। हालांकि, अभी मौत का आधिकारिक आंकड़ा कंफर्म नहीं किया गया है। इमरजेंसी टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

# शिवराज ने जिस पर बिठाई जांच, उसे मिली क्लीन चिट

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**भोपाल** ■ शिवराज सरकार के दौरान सतना में हुए 40 एकड़ के कथित जमीन घोटाले में जिस अधिकारी को आरोप पत्र दिया गया था, अब उसे दोषमुक्त करार दे दिया गया है। सरकार बदलने पर कैसे अफसरों के सुर और जांच रिपोर्ट बदल जाती है, ये सतना के 5 साल पुराने कथित जमीन घोटाले के मामले से समझा जा सकता है। शिवराज सरकार के दौरान सतना में हुए 40 एकड़ के कथित जमीन घोटाले में जिस आईएएस अधिकारी को पहली नजर में दोषी मानकर आरोप पत्र थमा दिया गया था, अब उसी अधिकारी को डॉ. मोहन यादव की सरकार में पूरी तरह से दोषमुक्त करार दे दिया गया है। यह पूरा मामला 2012 बैच के आईएएस अफसर अजय कटेसरिया से जुड़ा है, जो फरवरी 2020 से दिसंबर 2021 तक सतना के कलेक्टर थे। उन पर 40 एकड़ से अधिक की बेशकीमती सरकारी जमीन को नियमों को ताक पर रखकर निजी लोगों के नाम करने के गंभीर आरोप लगे थे। हैरत की बात यह है कि जिस रीवा कमिश्नर की जांच रिपोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराया था, उसी कमिश्नर कार्यालय ने बाद में उन्हें क्लीन चिट दे दी। जिसके आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग ने 7 नवंबर 2025 को उन्हें सभी आरोपों से बरी करने का आदेश जारी कर दिया। यह मामला अब प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

**विवादों में रहा कटेसरिया का कार्यकाल**-अजय कटेसरिया का सतना कलेक्टर का कार्यकाल काफी चर्चित रहा था। कमलनाथ सरकार गिरने से ठीक एक महीने पहले फरवरी 2020 में उनकी पोस्टिंग हुई थी। शिवराज सरकार आने के बाद भी वे पद पर बने रहे।

**सरकारी जमीनों को निजी व्यक्तियों के नाम कर दिया** : अजय कटेसरिया जब सतना के कलेक्टर थे, तब उन पर आरोप लगा कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कई मामलों में सरकारी जमीनों को निजी व्यक्तियों के नाम कर दिया। कुछ मामलों में तो उन्होंने राजस्व दस्तावेजों से 'शासकीय' शब्द को ही विलोपित (डिलीट) करवा दिया।

# अंकसूची में त्रुटि सुधार का झंझट खत्म, डमी प्रवेश पत्र पहुंचेंगे स्कूल

■ सालाना तीन लाख से अधिक विद्यार्थियों की मार्कशीट में आ रही त्रुटियां, इसलिए उठाया नया कदम

**दैनिक इंदौर संकेत**

**भोपाल** ■ अब दसवीं-बारहवीं की अंकसूचियों में त्रुटि सुधार के लिए विद्यार्थियों को भटकना नहीं पड़ेगा। एग्जाम के समय भी उनकी परेशानी बचेगी। इस समस्या का स्थाई रूप से समाधान करने के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नया रास्ता निकाला है। परीक्षाओं के पूर्व बोर्ड डमी (परीक्षण मॉडल) प्रवेश पत्र स्कूलों में भेज रहा है। वहां प्रत्येक शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य, छात्र-छात्राओं की मौजूदगी में ही संशोधन करवाएंगे। इसके बाद फाइनल एडमिट कार्ड जारी किया जाएगा।

प्रतिवर्ष परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद अंकसूचियों में त्रुटियों ने मंडल की चिंता बढ़ाई हैं। नतीजतन नया रास्ता निकाला गया है। अगले वर्ष फरवरी 2026 में होने वाली हायर सेकंडरी - हाईस्कूल परीक्षाओं से पूर्व विद्यार्थियों द्वारा भरे गये फार्म के एक-एक बिंदु को परखा जाएगा। इसके लिए डमी प्रवेश पत्र स्कूलों में भेजे जा रहे हैं। छात्र- छात्राओं ने परीक्षाओं के लिए जो ऑनलाइन आवेदन फिलअप किए हैं। उसी के आधार पर यह डमी प्रवेश पत्र तैयार हुए हैं। अब इन्हें जिलावार उन संस्थाओं में भेजा जाएगा, जहां विद्यार्थी दसवीं और बारहवीं में अध्ययन कर रहा है। इस प्रवेश पत्र का मिलान संस्था प्राचार्य विद्यार्थी या फिर उनके अभिभावकों की उपस्थिति में संशोधन करवाएंगे। इसमें परीक्षा देने वाले का फोटो-नाम, उनके माता-पिता के नाम, जन्म तिथि, पता सहित अन्य बिंदु का मिलान फार्म से किया जाएगा। इसमें यदि कोई गलती होगी तो विद्यार्थियों के सामने ही उनमें सुधार करवाया जाएगा। इसके बाद स्कूलों द्वारा संशोधित रिपोर्ट माध्यमिक शिक्षा मंडल को प्रेषित की जाएगी।

मौजूदा माह में होगी प्रक्रिया कंपलीट राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार माध्यमिक शिक्षा मंडल फरवरी से दसवीं एवं बारहवीं की पहली परीक्षा आयोजित कर रहा है। बोर्ड अफसरों का कहना है कि इस परीक्षा में दोनों ही कक्षाओं के करीब 20 लाख विद्यार्थी सम्मिलत हो रहे हैं। एग्जाम में शामिल होने वाला प्रत्येक विद्यार्थी अपना सही प्रवेश पत्र लेकर स्कूलों में पहुंचे।

### प्रति वर्ष मार्कशीट त्रुटियों में बढ़ोतरी

माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा रिजल्ट जारी होने के बाद हर साल अंकसूचियों में त्रुटियां होती हैं। आंकड़े गवाह हैं कि सालाना ढाई से लेकर तीन लाख या फिर इससे अधिक विद्यार्थी इन गलतियों में संशोधन करवाने के लिए भटकते हैं। किसी के नाम में त्रुटि तो किसी का फोटो गलत चस्पा है। किसी के स्वयं अथवा माता- पिता के नाम और जन्म तिथि में संशोधन होता है। अब इन समस्याओं से पूरी तरह निजात मिलेगी। संस्थाओं में ही इन खामियों में परीक्षा पूर्व सुधार कर लिया जाएगा। इसी के आधार पर ही फाइनल परीक्षा की मार्कशीट जारी होगी।

**मनमानी** बिना किसी आदेश के डाइट में, अभी वेतन नहीं केवल मिल रहा गुजारा भत्ता

# अधिकारिक बहाली नहीं, फिर भी जमे प्राचार्य की कुर्सी पर

**आशीष गुप्ता : 9425064357**

**इंदौर** ■ **दैनिक इंदौर संकेत**

ऐसा प्रदेश के शिक्षा विभाग में ही हो सकता है कि एक अधिकारी अपने निलंबन के 90 दिन अपने आप पुरानी पदस्थापना पर अपनी उपस्थिति यह सोच कर दे दे कि उसे विभाग ने 90 दिन में कोई आरोप पत्र नहीं दिया। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के सामान्य प्रशासन विभाग का नियम है कि अगर किसी कर्मचारी को अपने निलंबन के 90 दिवस के अंदर आरोप पत्र नहीं मिले तो उसे वापस उसी पद पर पदस्थ किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए भी सक्षम अधिकारी की अनुमति आवश्यक है।

विदित हैं की मंगलेश व्यास इंदौर डाइट के पद रहते हुए एक न्यायालीन प्रकरण में वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशों की अवेलहना के आरोप में निलंबित कर दिए गए थे। उनके निलंबन के दौरान



उनका मुख्यालय संयुक्त संचालक कार्यालय इंदौर संभाग था।

मंगलेश व्यास को अपने निलंबन के 90 दिन तक आरोप पत्र नहीं मिला तो वे अपने आपको दोषमुक्त मानते हुए डाइट में अपनी उपस्थिति देने लगें। इस मामले में उनके स्वत बहाल होने के संघ में ना तो लोक शिक्षण संचालनालय ने, न ही जिला प्रशासनिक अधिकारी ने कोई पत्र जारी किया। हालांकि निलंबन के 115 दिन बाद उन्हें आरोप पत्र भी मिल चुका था, जिसका जवाब उन्होंने दिया,किन्तु आज दिनांक तक भी बहाली के किसी भी अधिकारिक आदेश के अभाव के चलते अभी भी उन्हें वेतन की बजाय गुजारा भत्ता मिल रहा है। ***इसका साफ आशय यही निकाला जा सकता है कि विभाग अभी भी उन्हें निलंबित मान रहा है।***

### उनके व्यवहार को लेकर अधीनस्थों में रोष

कार्यालय के ही विश्वनीय सूत्र बताते है कि जब से मंगलेश व्यास डाइट में पदस्थ हुए है तब से यहां के शिक्षक और कर्मचारी उनके व्यवहार को लेकर त्रस्त है। एक शिक्षिका ने अपना नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया कि मैने नियमाविरुद्ध किए जा रहे कार्य से संबंधित किसी कागज पर साइन करने से इनकार किया तो मुझे काफी आपत्तिजनक स्वर मैं मुझसे बातचीत की। कुछ कर्मचारी तो उनके व्यवहार को लेकर सार्वजनिक तौर पर टिप्पणी कर चुके हैं। कुल मिलकर डाइट में उनके व्यवहार को लेकर किसी भी दिन बड़ी घटना सामने आ सकती है।

### सीईओ ने भी चार्ज देने पर जताई आपत्ति

सूत्रों के अनुसार ही जैसे ही सीईओ जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन को मंगलेश व्यास के बिना किसी आदेश के डाइट के प्रभार लेने की कवायद की जानकारी लगी उन्होंने तुरत ही वर्तमान प्राचार्य शोभा शुक्ला को निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में उन्हें चार्ज नहीं दिया जाए और उन्हें केवल जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाए। बहरहाल इतना विरोध और वरिष्ठ अधिकारियों की नाराजगी के बावजूद बताया जाता है कि वे प्राचार्य की कुर्सी पर बैठकर अपने अधीनस्थों को आदेशित कर देते हैं और कभी कभी तो प्राचार्य की हैसियत कार्यालयीन दस्तेवेजों पर हस्ताक्षर भी कर देते है।

न्यूज ब्रीफ

## मधुमेह जागरूकता सेमिनार में प्रेरक वक्ताओं और बच्चों की प्रस्तुतियों ने बढ़ाया हौसला

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● प्रसिद्ध एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. संदीप जुल्का द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम 'दिल यह ज़िद्दी है' का जाल सभागृह, साउथ तुकोगंज में रविवार, 16 नवम्बर 2025 को सफल और प्रभावशाली आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को मधुमेह के वास्तविक कारणों और वैज्ञानिक नियंत्रण के तरीकों के बारे में गहन तथा सरल जानकारी उपलब्ध कराना था। सेमिनार की शुरुआत प्रेरक वक्ताओं के विशेष सत्र से हुई, जिसमें शहर और देश के विविध क्षेत्रों से आए सम्मानित अतिथियों ने जीवन, संघर्ष, अनुशासन और सफलता के वास्तविक अनुभव साझा किए।

## ज्योति नगर उज्जैन ने पूरे किए 65 वर्ष

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी कि उज्जैन की ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्ता को देखते हुए सिंहस्थ 2028 के लिए शहर की विद्युत पारेषण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक और विश्वसनीय बनाने के लिए विशेष पहल की जा रही है। प्रदेश में सबसे पहले स्थापित 132 के.वी. सबस्टेशन – ज्योति नगर उज्जैन के अपनी गौरवशाली यात्रा के 65 वर्ष पूर्ण करने वाले इस सब स्टेशन को सिंहस्थ 2028 के लिए विशेष तौर पर तैयार किया जा रहा है।

# प्रेस्टीज स्कूल की तीन बसों के ड्राइवर शराब के नशे में मिले, नहीं सुधर रहे ड्राइवर

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● इंदौर में भयावह ट्रक हादसे में चार की मौत के बाद भी ड्राइवर सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। हाईकोर्ट में लगातार जिम्मेदारों से सवाल पूछे जा रहे हैं। इंदौर ट्रैफिक पुलिस नो इंट्री में चेकिंग और जांच चला रही है। ड्राइवर नशे में ट्रक, बस चलाना नहीं छोड़ रहे हैं। खासकर स्कूली बसों में बच्चों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ऐसा मामला अब इंदौर में प्रेस्टीज स्कूल की बसों में मिला है। इसके पहले मेडिकैप्स की बसों से दो हादसे में तीन की मौत हो चुकी है। स्कूल/कॉलेज प्रबंधन हर बार आउटसोर्स का बहाना बनाकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है।

लसूडिया पुलिस ने रात को वाहन चेकिंग के दौरान सत्य साईं चौराहे पर प्रस्टीज स्कूल की बसों को रोका। ब्रीथ एनाइजर से चेक किया तो बस ड्राइवर नशे में मिले। तीनों बसों को जब्त कर लिया गया है। तीनों ही बसों में स्कूली बच्चे सवार थे। सांवेर रोड पर आयोजित मंथन कायर्क्रम में शामिल होकर यह लौट रही थी। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि तीन प्रेस्टीज स्कूल की बसों के चालक नशे में पाए गए। बस नंबर एमपी09 एफ ए8073 के चालक संतोष, एमपी 09एफ डीपी 3158 के चालक योगेश, और एमपी 09 पीडी 3147 के चालक गजराज थे। पुलिस ने ब्रीथ एनालाइजर से इन तीनों ड्राइवरों की जांच की, और यह नशे में पाए गए। इन तीनों ड्राइवरों पर धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। स्कूल प्रबंधन पर भी कार्रवाई के लिए नोटिस जारी किया गया। इंदौर में ट्रक हादसे के बावजूद ड्राइवर नशे में ट्रक और बस चला रहे हैं, बच्चों की जान को खतरे में डाला जा रहा है।

### इधर 149 बसों पर कार्रवाई

ट्रैफिक डीसीपी आनंद कलादगी के आदेश पर अब कार्रवाई हो रही है। ट्रैफिक पुलिस ने बसों के खिलाफ एक खास चेकिंग अभियान चलाया। कई बस ड्राइवर ऐसे थे जो प्रतिबंधित इलाकों में बसें खड़ी करके सवारियों को चढ़ा-उतारा करते थे, जिससे ट्रैफिक में रुकावट आ रही थी। इसके अलावा, बसों में ज्यादा सवारियां बैठाना, सही वर्दी न पहनना, गलत तरीके से बस खड़ी करना और अन्य ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन भी देखा गया। इन सभी आरोपों पर इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने कुल 149 बसों के खिलाफ कार्रवाई की।

# शहर में क्यूआर पर मिलेगी ऑटो चालकों की पूरी डिटेल

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● इंदौर के रानी लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन से सवारी बैठाने वाले ऑटो चालक की पूरी जानकारी अब एक क्यूआर कोड के जरिए लोगों को मिल जाएगी। इंदौर एसपी रेल पदम विलोचन शुक्ल ने इसके लिए हमारी सवारी भरोसे वाली अभियान की शुरूआत की है। वहीं पटरी के आसपास रहने वाले लोगों के बच्चे पढ़े-लिखे और नशे से दूर रहे इसे लेकर भी इंदौर रेलवे पुलिस पटरी की पाठशाला अभियान चला रही है। इन दोनों अभियानों की शुरूआत शुक्रवार से हुई है।

अभियान का ऑनलाइन उद्घाटन विशेष पुलिस महानिदेशक रेल रवि कुमार गुप्ता ने किया, जबकि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आईएमएस देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पूर्व डीन और मोटिवेशनल स्पीकर प्रभुनारायण मिश्रा मौजूद रहे । विशिष्ट अतिथि डीआईजी एवं ओएसडी डीजीपी विनीत कपूर और डीआईजी रेल पंकज श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थी, स्कूली बच्चे, महिलाएं, स्टेशन क्षेत्र की बस्तियों के रहवासी, ऑटो चालक और रेलवे कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हमारी सवारी भरोसे वाली अभियान के तहत क्यूआर कोड आधारित ऑटो चालक सत्यापन प्रणाली का लाइव प्रदर्शन किया गया। यात्रियों ने देखा कि केवल एक स्कैन में ऑटो चालक की पहचान, फोटो, वाहन नंबर, मोबाइल नंबर और पुलिस सत्यापन की जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाती है। इसे यात्रियों ने अत्यंत भरोसेमंद और उपयोगी बताया। वहीं पटरी की पाठशाला अभियान में आसपास की बस्तियों से आए बच्चों, महिलाओं और मजदूरों को रेलवे सुरक्षा, महिला सुरक्षा, साइबर जागरूकता और नशामुक्ति के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी गई। बच्चों से सुरक्षा प्रतिज्ञा भी दिलाई गई।

# कई मतदाताओं के यहां अब तक नहीं पहुंचे एसआईआर फार्म

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर सर्वे का काम इंदौर सहित प्रदेशभर में चल रहा है। साढ़े 28 लाख से अधिक इंदौर जिले के मतदाताओं के सत्यापन का काम बीएलओ के जरिए किया जा रहा है और 2003 की मतदाता सूची के आधार पर ये सत्यापन करना है, जिसमें सभी बीएलओ के पसीने छूट रहे हैं, क्योंकि अधिकांश मतदाताओं के पास 2003 के रिकॉर्ड नहीं हैं और ऑनलाइन सर्च इंजन इतनी धीमी गति से चलता है कि एक-एक नाम को खोजने और उसकी डिटेल हासिल करने में काफी समय लग रहा है। दूसरी तरफ गणना-पत्रों यानी फॉर्म की भी त्रुटि रही, जिसकी पूर्ति जैसे तैसे अधिकारियों ने करवाई और अब इन फॉर्म का एप के जरिए डिजीटाइजेशन किया जाना है।

अब तक कइयों के घर नहीं पहुंचे फार्म: 4 नवंबर से शुरू हुए गहन पुनरीक्षण कार्य को 11 दिन से ज्यादा बीत जाने के बाद भी अब तक कईयों के घर बीएलओ फार्म देकर नहीं आए है। ऐसे में वे लोग परेशान हो रहे है क्योंकि सालों से वे वोट डाल रहे है, ऐसे में कहीं उनका नाम न कट जाए इस डर से वे बूथों पर चक्कर काट रहे है। जिनके घर पहुंचे, उनसे मांगी जा रही 2003 की जानकारी जिनके घर बीएलओ फार्म देकर आए है, उनसे 2003 में मतदाता सूची की जानकारी मांगी जा रही है। जिले की आधी जनता के पास 2003 का डाटा उपलब्ध नहीं है, कई लोग बाहर से आकर बसे है तो कईयों ने शहर में ही घर बदल लिए है, ऐसे में कई लोगों के पास 2003 की सूची नहीं है। बीएलओ भी उनसे ही 22 साल पूरानी जानकारी मांग रहे है।

### सत्यापन में लग रहा है काफी समय

2003 की मतदाता सूची के आधार पर एक-एक मतदाता का सत्यापन करना है, जिसमें भी सर्च इंजन धीमी गति से चलने के कारण समय लग रहा है। बावजूद इसके सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केन्द्रों के माध्यम से सूची में नाम तलाशने और गणना फॉर्म को भरवाने में जुटे हैं। दरअसल, आयोग ने एसआईआर सर्वे में यह तय किया है कि 2003 की मतदाता सूची में अगर नाम है तो फैमिली लिंक का लाभ तो मिलेगा ही, साथ ही दस्तावेज भी नहीं देना पड़ेंगे। सिर्फ गणना-पत्र यानी फॉर्म ही भरना होगा। मगर समस्या यह है कि अधिकांश मतदाताओं को यह भी पता नहीं है कि 2003 में उन्होंने कहां वोट डाला था और उनका मतदान केन्द्र कौन-सा था। चूंकि उस वक्त ऑनलाइन जानकारी भी अपडेट नहीं रहती थी, इसलिए भी समस्या आ रही है।

## दिल्ली लाल किले कार धमाके में मारे गए लोगों को रीगल चौराहे पर मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि दी

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ●दिल्ली लाल किले के पास गत दिनों हुए कार धमाके में आतंकी साजिश में मारे गए लोगों को आज इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा गांधी प्रतिमा रीगल चौराहे पर मोमबत्ती जलाकर व दो? मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।....बड़ी संख्या मे कांग्रेस मौजूद थे। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में आज गतदिनों दिल्ली लाल किले के पास कार धमाके में आतंकी साजिश में कई लोगों मारे गए थे एवं कई लोग घायल हुए इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा रीगल चौराहे पर आतंकी हमले में मारे गए सभी लोगों को मोमबत्ती जलाकर व दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

# सरजू पारी ब्राह्मण समाज का 28 दिसंबर युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● सरजू पारी ब्राह्मण समाज के पंकज पांडे, इंदु पांडे, ओपी मिश्रा ने बताया कि सरजू पारी समाज द्वारा लगातार समाज के उत्थान के साथ में समाज हित में कार्य करते हुए यह कार्यकारिणी का 15 वर्ष है साथ ही इस वर्ष युवक एवं युवतियों के परिचय सम्मेलन का आयोजन श्री हंस दास मठ पर 28 दिसंबर को रखा गया है जहां पर रामचरित्र मानस पर आधारित पुष्प वाटिका स्थान का नाम दिया जाएगा और राम सीता जी के विवाह के चित्र लगाकर पुष्प वाटिका तैयार कर परिवार

के युवक एवं यूतियों के परिचय दिलवाए जाएंगे साथ ही अगर परिवार जनों को उपरोक्त विषय में बच्चों की जानकारी चाहिए रहेगी तो एक समाज की लिंक पर भी पुरी जानकारी उपलब्ध रहेगी न्यूनतम मूल्य पर समाज द्वारा परिणय चयनिका पुस्तक भी दी जाएगी आज समाज की एक आवश्यक मीटिंग इंदौर चिमन बाग स्थित लोधी धर्मशाला में आयोजित की गई जहां पर 28 दिसंबर 2025 को होने वाले परिचय सम्मेलन के प्रभारी के रूप में गौतम तिवारी जी और इंदु पांडे जी को समाज की ओर से नियुक्त किया गया, सभी समाज जनों को युवक युवतियों के फॉर्म भरने के लिए फार्म उपलब्ध करा दिए गए है।

# स्पा सेंटर में बजरंग दल घुसा, पुलिस भी पहुंची

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● इंदौर के राजेन्द्र नगर में रविवार देर शाम बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक स्पा सेंटर पर दबिश दी। यहां एक विशेष समुदाय की युवती द्वारा अनैतिक कार्य कराए जाने का आरोप लगाया गया। सूचना मिलने पर थाना पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और सभी संबंधित व्यक्तियों पर प्रतिबंधात्मक धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। विश्व हिंदू परिषद के तन्नू शर्मा को सूचना मिली थी कि हवा बंगला स्थित हरिधाम मंदिर के सामने एक स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक कार्य किए जा रहे हैं। इस पर बजरंग दल के संयोजक अनिल पाटिल को कार्यकर्ताओं के साथ जांच के लिए भेजा गया। यहां दो महिलाएं और एक पुरुष मौजूद मिले। युवक मसाज करवा रहा था और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को देखकर वीडियो नहीं बनाने की बात करने लगा। अनिल पाटिल ने आरोप लगाया कि यह स्पा नजमा नाम की युवती द्वारा संचालित किया जा रहा है, जबकि कागजों में उसने अपना नाम नेहा बताया हुआ है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि केंद्र में आपत्तिजनक सामग्री भी मिली। आरोप है कि सोशल मीडिया के माध्यम से डील की जाती थी और ग्राहकों को व्हाट्सऐप पर महिलाओं की तस्वीरें भेजी जाती थीं।

## मप्र लोकतंत्र सेनानी संघ में गिरीश शर्मा आदित्य बने प्रांतीय उपाध्यक्ष

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● इंदौर, 16 नवंबर। आपातकाल के दौरान लोकनायक जयप्रकाश नारायण के सम्पूर्ण क्रांति आन्दोलन से जुड़े सक्रिय छात्र नेता और उस दौरान पुलिस द्वारा सर्वाधिक प्रताड़ित किए गए मीसा बंदी गिरीश शर्मा आदित्य को लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद कैलाश सोनी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा एवं प्रदेशाध्यक्ष तपन

भौमिक ने संघ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। वे अब तक इंदौर जिला लोकतंत्र सेनानी संघ के जिलाध्यक्ष थे। उनके पिछले 4 वर्षों के कार्यकाल को देखते हुए वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें पदोन्नत करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया है। वे मुद्रा शास्त्री भी हैं और भारतीय संस्कृति एवं इतिहास को उन्होंने विदेशों में भी गुंजायमान किया है। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें मुद्रा संग्रह के क्षेत्र में 31 बार जीवन गौरव सम्मान भी प्राप्त हो चुके हैं। हाल ही भोपाल में आयोजित बैठक में उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष तथा गणेश कुमार अग्रवाल को संघ का इंदौर जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

## भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर व्याख्यान संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

**सांवेर** ● शनिवार को नागपुर के नागमंदिर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) समारोह का आयोजन ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नागपुर, संस्कृति प्रकृति संरक्षण संस्था मुकाता और जन अभियान परिषद विकासखंड सांवेर के तत्वाधान में संपन्न हुआ । सभी वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के इतनी कम उम्र में किए गए अद्भुत

क्रिया कलापों और अदम्य साहस की गाथाएं सुनाई, नाग मंदिर के पुजारी राहुल शर्मा ने भी ऐसे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर हमें भी उनकी राह पर चलने की सलाह दी।

## गैंगस्टर सलमान लाला के लिए रील बनाने वाले एक्टर एजाज खान पुलिस के सामने पेश

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● इंदौर के गैंगस्टर सलमान लाला की मौत पर विवाद हुआ था। इस पर पुलिस को घेरने वाले एक्टर एजाज खान के खिलाफ इंदौर क्राइम ब्रांच ने 9 सितंबर को एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद एजाज खान ने एक वीडियो जारी किया था। इसमें उन्होंने अपनी रील के लिए माफी मांगी थी। अब एफआईआर को लेकर एजाज खान शनिवार, 16 नवंबर को इंदौर क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए। एक्टर एजाज खान की हरकत पर पुलिस ने कड़ी फटकार लगाई है। बता दें कि एक्टर ने गैंगस्टर को महिमामंडित किया और भावनाएं भड़काने वाले मैसेज दिए थे। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने एजाज का मोबाइल भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने कहा कि यह इंदौर है और यहां गुंडों की तारीफ पर भी केस होते हैं। सोशल मीडिया पर लाइक और कमेंट करने पर भी कार्रवाई होती है। एजाज ने पानी में डूबकर मरने वाले गैंगस्टर सलमान लाला को लेकर रील बनाई थी। इसमें कहा था कि- मुझे ऐसा लगता है कि वह समंदर में तैरने वाला बहुत बड़ा तैराक था। समंदर में तैरने वाले तालाबों में डूबकर नहीं मरा करते। उसका गुनाह यह नहीं था कि वह गैंगस्टर था, गुनाह यह था कि वह मुसलमान था। इसलिए मार दिया गया। एजाज खान पुलिस के सामने पेश हुए: इंदौर के गैंगस्टर सलमान लाला की मौत पर विवादित रील बनाने वाले एक्टर एजाज खान 16 नवंबर को इंदौर क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए।

**हादसा**

## विद्युत विभाग और सड़क निर्माण कंपनी की लापरवाही पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

# हाई-टेंशन लाइन की चपेट में आया डीजे वाहन, ड्राइवर की दर्दनाक मौत

निलेश चौहान : 94250-77209

**देपालपुर** ● दैनिक इंदौर संकेत

रविवार को बेटमा के पास मेठवाड़ा में एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। सांवरिया डीजे घाटाबिल्लौद का वाहन जैसे ही पुलिया से गुजर रहा था, ऊपर से गुजर रही हाई-टेंशन लाइन के नीचे खतरनाक रूप में झुके तार डीजे वाहन से टकरा गए। टकराते ही तेज करंट पूरे वाहन में फैल गया और वाहन के मालिक व ड्राइवर विशाल जोशी (घाटाबिल्लौद) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना इतनी अचानक हुई कि कोई मदद भी नहीं कर सका।

**लंबे समय से लापरवाही, कई बार शिकायतें—पर किसी ने नहीं ली सुध**-स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस पुलिया पर हाई-टेंशन लाइन के तार लंबे समय से बेहद नीचे झूल रहे थे। लोगों ने कई बार इसकी शिकायत विद्युत विभाग और सड़क निर्माण कंपनी से की थी, लेकिन किसी ने भी सुधार कार्य की ओर ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह हादसा साफ तौर पर विभागीय लापरवाही का नतीजा है और समय रहते कार्रवाई होती तो आज एक युवक की जान बच सकती थी।

**क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल**-युवा चालक और डीजे व्यवसायी विशाल जोशी की मौत से घाटाबिल्लौद और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गहरा शोक फैल गया। वहीं, हादसे के बाद ग्रामीणों में बड़ा आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है और कहा है कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

**मृतक परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए**- हादसे ने क्षेत्र में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग अब भी दहशत में हैं और प्रशासन की ओर से ठोस कदमों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

### तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग

सरपंच महेश हाडा और ग्रामीणों के अनुसार यह हादसा किसी प्राकृतिक कारण से नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से मानवजनित लापरवाही का परिणाम है। घटना पर सरपंच महेश हाडा बताया कि हम सभी ग्रामीण लोग एकत्रित बेटमा तहसीलदार और एसडीएम को शिकायती आवेदन देकर प्रशासन से मांग करेंगे कि- हाई-टेंशन लाइन की तत्काल ऊँचाई ठीक की जाए। लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

सांध्य दैनिक
# इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 17 नवंबर 2025

## न्यूज ब्रीफ

### श्वेताम्बर जैन समाज ने रचा नया इतिहास, 24 घंटे में हो गई दो दीक्षाएँ

**इंदौर** ● वीआईपी रोड दलाल बाग स्थित नवरत्न नगरी पर रविवार को 24 घंटे की अवधि में दो दीक्षा समारोह और एक मुनिराज का गणि पद प्रदान महोत्सव जैसे अनूठे कीर्तिमान बन गए। जैनाचार्य प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. एवं आचार्य मृदुरत्न सागर म.सा. करीब 70 साधु-साध्वी-भगवंतों की पवन निश्रा एवं उपधान तप के 70 तपस्वियों की विशिष्ठ मौजूदगी में श्वेताम्बर जैन समाज इंदौर के इतिहास में पहली बार ये नए कीर्तिमान स्थापित हुए। शनिवार को 59 वर्षीय सुरेश कोठारी की दीक्षा संपन्न हुए 24 घंटे भी नहीं हुए कि रविवार को फिर एक और युवा 21 वर्षीय कुणाल कमठोरा ने भी संसार के वैभव और गाड़ी-बंगले को छोड़कर संयम, त्याग और वैराग्य की राह पकड़ ली। दलाल बाग पर आज सुबह से दोपहर तक चली करीब 5 घंटे की शास्त्रोक्त विधि के बाद मुमुक्षु कुणाल को आचार्यश्री ने पुण्यरत्न सागर और मुनिराज उदयरत्न सागर के नाम के आगे गणिवर्य की उपाधि प्रदान करते हुए उन्हें जिन शासन की परंपरा के अनुसार नूतन वस्त्र भेंटकर पाट पर विराजित किया।

### लोकतंत्र सेनानी संघ में गिरीश शर्मा आदित्य बने प्रांतीय उपाध्यक्ष

**इंदौर** ● आपातकाल के दौरान लोकनायक जयप्रकाश नारायण के सम्पूर्ण क्रांति आन्दोलन से जुड़े सक्रिय छात्र नेता और उस दौरान पुलिस द्वारा सर्वाधिक प्रताड़ित किए गए मीसा बंदी गिरीश शर्मा आदित्य को लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद कैलाश सोनी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा एवं प्रदेशाध्यक्ष तपन भौमिक ने संघ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। वे अब तक इंदौर जिला लोकतंत्र सेनानी संघ के जिलाध्यक्ष थे। उनके पिछले 4 वर्षों के कार्यकाल को देखते हुए वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें पदोन्नत करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया है। वे मुद्रा शास्त्री भी हैं और भारतीय संस्कृति एवं इतिहास को उन्होंने विदेशों में भी गुंजायमान किया है।

### अग्रसेन महासभा का मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव आज

**इंदौर** ● श्री अग्रसेन महासभा का दीपावली मिलन, 56 भोग एवं अन्नकूट महोत्सव सोमवार 17 नवंबर को कोकिलाबेन हॉस्पिटल के पास होटल एएफसी निपानिया पर होगा। महासभा के अध्यक्ष कैलाशनारायण बंसल, सचिव राजेश मित्तल एवं संयोजक द्वय राजेश गर्ग केटी और प्रमोद बिंदल ने बताया कि इस अवसर पर भगवान श्रीनाथजी को 56 भोग समर्पण एवं महाआरती के पश्चात नर्मदापुरम के आचार्य पं. अविनाश मिश्रा और उनके साथियों द्वारा माँ नर्मदा की भव्य महाआरती, शिवशक्ति डांस ग्रुप द्वारा नृत्य प्रस्तुति एवं खरगोन के प्रसिद्ध गायक शुभम तारे और सावन म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों द्वारा मधुर गीतों की प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

### राष्ट्रीय मिर्गी दिवस पर गीता भवन में मिर्गी विशेषज्ञ एसो. समिति का आयोजन

**इंदौर** ● राष्ट्रीय मिर्गी दिवस के अवसर पर सोमवार 17 नवंबर को सुबह 10.30 बजे मनोरमागंज स्थित गीता भवन पर इंदौर मिर्गी विशेषज्ञ एसो. समिति एवं गीता भवन अस्पताल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम होगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. वसंत डाकवाले एवं सचिव डॉ. श्रीमती वीवी नाडकर्णी ने बताया कि 17 नवंबर को सारे देश में 28 शाखाओं के माध्यम से राष्ट्रीय मिर्गी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

# कमिश्नरी के बाद भी खत्म नहीं हो रहा पुलिस का खौफ

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ●कमिश्नर लागू होने के बाद माना जा रहा था कि पुलिस की ताकत बढ गई है और गुंडे-बदमाशों में अब पुलिस का खौफ नजर आएगा और क्राइम कंट्रोल होगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालात ये हैं कि आम लोगों में पुलिस का खौफ ही खत्म हो गया है। पुलिस पर हमले की वारदातें निरंतर बढ रही हैं तब सवाल उठता है कि यदि पुलिस ही सुरक्षित नहीं तो फिर आम आदमी की क्या बिसात । कई मामलों में गुंडे-बदमाशों पर कड़ी कार्रवाई करने में पुलिस क्यों लाचार नजर आती है, कोर्ट में पेश कई गंभीर मामलों में भी आरोपी बरी हो जाते हैं और पुलिस पर ठीक से इनवेस्टीगेशन नहीं करने की बातें भी कही जाती हैं। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या गुंडे-बदमाशों में खौफ पैदा करने के लिए पुलिस को कुख्यात गुंडों का एनकाउंटर कर देना चाहिए...?

### पुलिस से नहीं डरते ये लोग

पुलिस पर हमले के कई मामले सामने आए हैं,ये इस बात की चुगली करते नजर आते हैं कि अब शराबी हो या कोई रसूखदार किसी को भी पुलिस ने डर नहीं लगता। सबसेयादा तो ट्रैफिक पुलिस लाचार नजर आती है। वाहन चलाने वालों को रोकने पर ये दादागीरी कर नेताजी या फोन लगवाने की बात कहकर दवाब डालते नजर आते हैं । कई बार तो ट्रैफिक कर्मी को कुचलने की भी कोशिश जाती है तो कई वाहन चालक तो रोकने के बाद भी नहीं रुकते और तेजी से गाड़ी भगाकर निकल जाते हैं।

### पुलिसकर्मियोंसे मारपीट के प्रमुख मामले

शहर में पुलिस का खौफ इस कदर खत्म होता नजर आ रहा है कि अब तो पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट के मामले भी सामने आने लगे हैं। इस तरह के कुछ प्रमुख मामले इस प्रकार हैं। लिफ्ट नहीं दी तो कांस्टेबल को घेरकर पीटा : नवंबर 2025 चंद्रावतीगंज थाने में पदस्थ कांस्टेबल हरीश पिता रामसेवक शर्मा सांवेर इलाके से कार में सवार होकर गुजर रहा था। एक संदिग्ध ने लिफ्ट मांगी तो हरीश ने कार नहीं रोकी। इसी बदमाश ने बाइक पर सवार होकर अपने साथियों के साथ मिलकर हरीश को रोका और उसके साथ मारपीट कर डाली। सांवेर पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज किया।

### शराबखोरी से रोका तो कर दिया हमला

अक्टूबर 2025 नखेरी डैम पर कुछ लोग शराब खोरी कर रहे थे। हेड कांस्टेबल जितेंद्र चौहान ने कोटवारों के साथ जाकर उन्हें शराबखोरी से रोका तो उन लोगों ने हेड कांस्टेबल जितेंद्र के साथ दो कोटवारों पर भी हमला कर दिया और फरार हो गए। बड़गोंदा पुलिस ने केस दर्ज किया।

### नशेड़ी ड्राइवर को पकड़ा तो मारपीट कर कार छीनने की कोशिश

22 दिसंबर 2024 को कनाड़िया में शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले को पुलिस कर्मी सोनू गुर्जर ने रोका तो कार में सवार पूनम शुक्ला, प्रशांत गोठी, आयुष गोठी, राहुल ग्रोवर, अमय शुक्ला ने सोनू गुर्जर के साथ मारपीट करते हुए कार छीनने की भी कोशिश की,कनाड़िया पुलिस ने केस दर्ज किया।

### सब इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ दी

11 सितंबर 2024 को शहर के व्यस्ततम नगर निगम चौराहे पर नशेड़ी रवि कश्यप एक आटो वाले से विवाद कर हंगामा कर रहा था। ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के सब इंस्पेक्टर नाथूराम उसे समझाने गए तो वह उनसे ही उलझ पड़ा। नशेड़ी रवि ने नाथूराम से झूमाझटकी करते हुए मारपीट कर उनकी वर्दी भी फाड डाली। एमजी रोड पुलिस ने रवि कश्यप को गिरफ्तार किया।

### क्या पुलिस के मानवअधिकार नहीं है..?

जानकार बताते हैं कि अक्सर पुलिस की कड़ी कार्रवाई पर दुहाई दी जाती है कि पुलिस मानव अधिकार का उल्लंघन कर रही है। कई गुंडे बदमाश जिन्हें राजनीति संरक्षण मिलता है उन्हें पकड़ने पर थाना घेरने की घटनाएं भी हो जाती है। किसी आरोपी के साथ यदि पुलिस कुछ भी सख्ती करती है तो कहा जाता है कि पुलिस मानव अधिकार का ह कर रही है लेकिन ये तथाकथित लोग पुलिस के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को लेकर खामोश ही रहते हैं तब सवाल उठता है कि क्या पुलिस के मानवअधिकार नहीं हैं।

# भोपाल में 6 लाख तक के नकली नोट खपाए, किराना दुकान, पान की गुमटियों पर देता था आरोपी

**भोपाल (एजेंसी)** ● भोपाल में नकली नोट खपाने वाले विवेक यादव ने पुलिस की पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। वह शहर के आउटरों में बनी छोटी किराना दुकानों, पान की गुमटियों और चाय-नाश्ते की होटलों पर इन नोटों को खपाता था। उसने रायसेन रोड, 11 मील, बैरसिया रोड का ईंटखेड़ी गुनगा, परवलिया सड़क, एयरपोर्ट रोड, गांधी नगर, पिपलानी, अवधपुरी समेत कई इलाकों में नोट चलाए हैं। आसपास के जिलों में भी उसने नोट चलाए हैं। खास बात यह है कि वह एक दिन में सिर्फ 3 से 4 नकली नोट ही चलाता था। आरोपी विकास के घर की तलाशी में पुलिस को 500 रुपए के 428 नकली नोट मिले हैं। पुलिस को उसके पास से 30 लाख से ज्यादा के नकली नोट छापने का रॉ मटेरियल भी मिला है। पूछताछ में उसने नकली नोट खपाने के तरीके बताए हैं। यह भी बताया कि उसने नकली नोटों में अधिक सफाई लाने के लिए रकम जुटाकर महंगे उपकरण खरीदे थे। आरोपी पिपलानी

इलाके में शुक्रवार शाम को शांति नगर झुग्गी बस्ती के पास एक दुकान पर दोबारा नोट चलाने गया था। जहां उसे पहचान लिया गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दे दी।

### 6 लाख के नकली नोट चलाए

एडिशनल डीसीपी गौतम सोलंकी ने बताया कि आरोपी दुकानों पर जाने के बाद 20 से 50 रुपए के बीच का सामान खरीदता था। इसके लिए वह पांच सौ रुपए का नोट दिया करता था। दिन भर में वह तीन से चार अलग-अलग दुकानों पर इसी तरह से नोट चलाता था।

जब उसने जरूरत की चीजें नकली नोटों के बल पर जुटा लीं तो अय्याशी करना शुरू कर दिया। शहर के अलग-अलग होटलों में महंगे खाने से लेकर मॉल से कपड़ों की खरीददारी तक इसी रकम से कर डाली। इस तरह आरोपी करीब 6 लाख रुपए के नकली नोट मार्केट में खपा चुका है।

### विदिशा-सीहोर रायसेन में भी खपाए

आरोपी नकली नोट खपाने विदिशा, सीहोर और रायसेन तक जा चुका है। वह चार से पांच हजार रुपए के नकली नोट लेकर घर से निकलता था। आधे नोट खपाने के बाद घर लौट आता था। पकड़ा न जाए इसके लिए उसने अपने काम में कोई पार्टनर नहीं बनाया था। नोटों की छपाई से लेकर खपाने काम अकेले ही अंजाम देता था।

# अग्रवाल महिला मंडल के स्नेह मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव में शामिल हुए सैकड़ों समाजबंधु

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● अग्रवाल महिला मंडल मल्हारगंज का स्नेह मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव का रंगारंग आयोजन तेलीबाखल मल्हारगंज स्थित नारनोली अग्रवाल पंचायती धर्मशाला पर भजन संध्या एवं भगवान श्रीनाथजी को 56 भोग समर्पण के साथ संपन्न हुआ। मंडल की अध्यक्ष शीला अग्रवाल एवं मंत्री निर्मला अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर समाजसेवी नारायण अग्रवाल 420 पापड़, अनूप सिंघल, नितिन गर्ग, ओम अग्रवाल एवं सुनील गर्ग सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठ बंधुओं ने अतिथि के रूप में शामिल होकर मातृशक्ति का उत्साहवर्धन करते हुए समाज में सुख, शांति एवं सद्भाव के लिए प्रार्थना की। भगवान श्रीनाथजी का मनोहारी श्रृंगार इतना दर्शनीय बन पड़ा था कि सैकड़ों समाजबंधुओं ने इनकी तस्वीरों को अपने मोबाइल कैमरो में कैद किया। अतिथियों का स्वागत निर्मला अग्रवाल, चंचल गर्ग, राजेश अग्रवाल, उषा आष्टा वाले, उमा गोयल, उमा सिंघल आदि ने किया। अंत में अध्यक्ष शीला अग्रवाल ने आभार माना।

# बेटी का एक कॉल और आधी रात को कार दौड़ाकर पहुंच गई है मां

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● मुंबई से इंदौर लौट रही एक युवती के साथ बस में अश्लील हरकतों का जो मामला कुछ दिनों पहले सामने आया था, उसमें गिरफ्तार ड्राइवर और क्लीनर की जमानत को बड़वानी कोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। जबकि इस घटना का मुख्य आरोपी अब तक पुलिस की पहुंच से बाहर है। शुरुआती शिकायत को साधारण छेड़छाड़ मानकर हल्के में लिया गया था लेकिन युवती के साथ न केवल छेड़छाड़ हुई बल्कि आरोपी उससे बदसलूकी और अश्लील हरकतें करते रहे। इंदौर निवासी युवती 6 नवंबर की शाम गोरेगांव से हंस ट्रैवल्स की बस (क्र-11 ष्ठ-1919) में सवार हुई थी। रात करीब 11.30 बजे जब बस कसारा फूड स्टॉप पर रुकी, तभी

उसी ट्रैवल्स के एक अन्य ड्राइवर के कहने पर एक युवक को भी बस में बैठाया गया। पहले से मौजूद ड्राइवर और क्लीनर के साथ यह युवक भी नशे में था। बस आगे बढ़ी तो युवक ने अपर बर्थ पर लेटी युवती पर अश्लील टिप्पणियां शुरू कर दीं। ड्राइवर और क्लीनर भी उसके साथ हंसने लगे। घबराई युवती ने यात्रियों से मदद मांगी। एक यात्री ने रोकने की कोशिश की तो तीनों ने उसे धमका दिया। डरी हुई युवती ने आधी रात में इंदौर में अपनी मां को फोन कर पूरी घटना बताई। मां ने तुरंत लोकेशन ट्रेस की और कहा तुम चिंता मत करो, मैं सेंधवा पहुंच रही हूं। बस को वहीं रुकवाना। मां रात में ही परिवार को लेकर कार से रवाना हुई और करीब साढ़े तीन घंटे में सेंधवा टोल नाके पहुंच गई। पुलिस को भी रास्ते में ही सूचना दे दी गई थी। सुबह 7 बजे बस सेंधवा पहुंची। परिवार ने पहले बेटी को उतारा, फिर ड्राइवर, क्लीनर और सरदार किशोर सिंह बस से नीचे उतरे। युवती ने बताया कि युवक ने उसके साथ अश्लील हरकतें की थीं। ड्राइवर तुरंत पैर पकड़कर माफी मांगने लगा, जबकि युवक नशे की हालत में परिवार से उलझता रहा।

# पंचायत सचिव की भर्ती में सीपीसीटी अनिवार्य, भर्ती में रोजगार सहायकों को मिलेगी वरीयता

**भोपाल (एजेंसी)** ● पंचायत सचिव के पद पर नियुक्ति के लिए अब कम्प्यूटर की दक्षता परीक्षा (सीपीसीटी परीक्षा) उत्तीर्ण होना जरूरी है। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने इसको लेकर नियम जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसको लेकर विभाग ने नियमों का प्रारूप जारी कर दिया है। इसमें यह भी कहा गया है कि सचिव का पद जिला स्तर कैडर का होगा और जब इस पद पर भर्ती होगी तो ग्राम रोजगार सहायकों को आरक्षित पदों के आधार पर सहायता मिलेगी। एक माह बाद इसको लेकर आने वाले दावे आपत्तियों के बाद राज्य सरकार इन नियमों को लागू करेगी। विभाग द्वारा प्रस्तावित नियमों में कहा गया है कि पंचायतों के लिए स्वीकृत सचिव के पदों तथा इस मध्य प्रदेश पंचायत राज और ग्राम स्वराज अधिनियम के अंतर्गत पंचायत सचिव का पद धारण

करने वाले हर व्यक्ति पर ये लागू होंगे। इसमें कहा गया है कि प्रदेश के हर जिले में जिला स्तर पर पंचायत सचिवों का एक कैडर होगा। जितनी ग्राम पंचायतें होंगी उतने ही जिले में सचिव होंगे। सचिव के पद के लिए वह पात्र नहीं होगा जिसकी दो से अधिक जीवित संतान हों और इनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके बाद हुआ हो। सचिवों के कुल रिक्त पदों के विरुद्ध हर रिजर्व कैटेगरी में रिक्त पदों का 50 प्रतिशत कोटा पात्र ग्राम रोजगार सहायकों से भर्ती के लिए आरक्षित रखा जाएगा और ग्राम रोजगार सहायक जिसने पांच साल की सेवा पूरी कर ली हो और पंचायत सचिव के लिए तय मापदंडों को पूरा करता हो वह इस पद के लिए पात्र होगा।

**कर्मचारी चयन मंडल मध्य प्रदेश**- ग्राम रोजगार सहायक के लिए कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित पात्रता परीक्षा में शामिल होना होगा और सचिव की भर्ती जिला स्तर पर होगी। जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भर्ती वर्ष की एक जनवरी की स्थिति में अपने जिले में सचिवों के रिक्त पदों की जानकारी रोस्टर और कैटेगरी के आधार पर संचालनालय को भेजेंगे।

# वार्ड क्रमांक 11 में एसआईआर फॉर्म शिविर का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

**देपालपुर** ●विधायक मनोज निर्भय सिंह पटेल के मार्गदर्शन में नगर परिषद अध्यक्ष अनिता महेश पुरी गोस्वामी द्वारा रविवार को वार्ड क्रमांक 11 में एसआईआर फॉर्म भरने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य था कि वार्ड का कोई भी नागरिक एसआईआर प्रक्रिया से वंचित न रहे और कागजी औपचारिकताओं या जानकारी के अभाव में असुविधा का सामना न करना पड़े। बड़ी संख्या में वार्डवासी शिविर में पहुँचे और अपने एसआईआर फॉर्म भरकर प्रक्रिया पूर्ण की। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती गोस्वामी ने बताया कि यह शिविर तब तक सतत रूप से संचालित किया जाएगा जब तक वार्ड का प्रत्येक परिवार एसआईआर प्रक्रिया से नहीं जुड़ जाता।

शिविर में उपस्थित नागरिकों को एसआईआर की विस्तृत जानकारी दी गई और उन्हें जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर निर्वाचन कार्यालय देपालपुर से नायब तहसीलदार नागेंद्र त्रिपाठी ने भी शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की सराहना की।

# नगर में नशा मुक्ति अभियान के समर्थन में रन फॉर हेल्थ मैराथन

दैनिक इंदौर संकेत

**देपालपुर** ● बजरंग दल प्रखण्ड देपालपुर जिला सांवेर ने रविवार को नगर को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ रन फॉर हेल्थ मैराथन का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत महाराणा प्रताप चौक से हुई, जहां भारत माता की जय और 'हमने ये ठाना है, नगर को नशा मुक्त बनाना है' के गगनभेदी नारों के बीच कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक दौड़ लगाई। मैराथन नगर के मुख्य बाजार से होते हुए पुन: महाराणा प्रताप चौक पर समाप्त हुई। पूरे मार्ग पर लोगों ने धावकों का स्वागत किया और अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में सहयोग दिया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ योग मित्र मंडल के सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। उनका योगदान कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय रहा।

कार्यक्रम के पश्चात सभी प्रतिभागियों और कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। प्रखण्ड अध्यक्ष हातोद दिलीप चौधरी ने प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर बजरंग दल जिला सह-संयोजक दिनेश गुर्जर, प्रखण्ड अध्यक्ष राहुल, प्रखण्ड मंत्री करण शर्मा, अनील जी, हनी जी, अर्जुन गुच्छीया, राकेश साडे, कालु गोस्वामी, परी नगर टोली, खेलकूद प्रभारी जयपुर गोस्वामी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुलिस प्रशासन का भी पूरा सहयोग रहा। सुरक्षा व्यवस्था और मार्गदर्शन से आयोजन अनुशासित और प्रेरणादायी बना। इस मैराथन ने नगरवासियों को यह संदेश दिया कि स्वस्थ जीवन के लिए नशा मुक्त समाज आवश्यक है। बजरंग दल और योग मित्र मंडल ने मिलकर यह संकल्प लिया कि नगर को नशा मुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

## सम्पादकीय

### भारी मतदान के बावजूद कैसे पलट गया समीकरण, विपक्ष का समर्थन वोटों में क्यों नहीं बदल सका

बिहार में विधानसभा के लिए हुए चुनावों के नतीजे निश्चित तौर पर वहां की जनता का फैसला है, लेकिन हार-जीत के जैसे आंकड़े सामने आए, उसकी उम्मीद कम से कम वहां के विपक्षी दलों को बिल्कुल नहीं रही होगी। दो चरणों में हुए मतदान के बाद शुक्रवार को हुई मतगणना में न केवल सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को भारी जीत मिली, बल्कि ऐसा लगता है कि चुनावी मैदान में मुकाबला एकतरफा था। हालांकि प्रचार के दौरान विपक्षी महागठबंधन को जैसा समर्थन मिलता दिखा था, उससे यही लगा कि चुनावी मुकाबला एकतरफा साबित नहीं होने वाला है और राजद-कांग्रेस तथा अन्य सहयोगी दलों का महागठबंधन चुनाव में राजग को एक मजबूत चुनौती देने वाला है। मगर अब आए नतीजों से यह साफ है कि बिहार के चुनावी मैदान में मतदाताओं को आकर्षित करने और उनका मत हासिल करने के मामले में सत्ताधारी गठबंधन के सामने कोई बड़ी चुनौती नहीं थी। दूसरी ओर, विपक्ष की राजनीति और विधानसभा चुनावों में जीत के लिए किए गए प्रयासों के लिहाज से देखें तो ये नतीजे उनके लिए अप्रत्याशित हैं, क्योंकि प्रचार के दौरान सभाओं और रैलियों में उन्हें लोगों का जैसा व्यापक समर्थन मिलता दिखा था, वह शायद वोट में तब्दील नहीं हो सका। भारतीय खिलाड़ी भूल गए थे कि 'बौने' ने साउथ अफ्रीका को बनाया था चैंपियन, 15 साल बाद टेम्बा बावुमा की कप्तानी में हुआ कमाल सवाल है कि विपक्ष की राजनीति के महारथी जनता के बीच दिखने वाले समर्थन के बरक्स जमीनी हकीकत का अंदाजा लगाने में नाकाम क्यों हुए! माना जा रहा है कि राज्य के मतदाताओं के सामने अलग-अलग राजनीतिक दलों की ओर से जो कुछ तात्कालिक लाभ के मुद्दे सामने रखे गए, लोगों ने उसी में से चुनाव के लिए अपनी प्राथमिकता तय की। मसलन, एक ओर बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चुनाव से ठीक पहले बड़ी संख्या में महिलाओं के खाते में तत्काल दस हजार रुपए भेजने की व्यवस्था की, तो दूसरी ओर, महागठबंधन ने हर परिवार के लिए सरकारी नौकरी सहित कई अन्य वादे किए। ऐसा लगता है कि राज्य के लोगों की राय पर भविष्य के लिए किए गए वादों के बजाय महिलाओं को तुरंत मिली आर्थिक राहत का मुद्दा ज्यादा भारी पड़ा और उसने चुनाव में मतदान के रुख को तय करने में एक प्रमुख कारक के रूप में काम किया।

# रोग केवल शरीर को ही प्रभावित नहीं करते, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक संरचना पर भी गहरा प्रभाव डालते हैं

वैश्विक स्तरपर आधुनिक मानव सभ्यता आज जिस डिजिटल और प्रौद्योगिकीय उन्नति के शिखर पर खड़ी है, उसे देखते हुए यह मानना स्वाभाविक लगता है कि विज्ञान की शक्ति ने दुनियाँ को लगभग हर समस्या का समाधान देना शुरू कर दिया होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स क्वांटम कंप्यूटिंग और जेनेटिक एडिटिंग जैसी तकनीकों ने हमारे जीवन को जितना सरल बनाया है, उतनी ही आशाएं भी जगाई हैं। किंतु, विरोधाभास यह है कि इस टेक्नोलॉजी-प्रधान सामयिक दुनियाँ में भी पृथ्वी के प्रत्येक देश को अनेक प्रकार की बीमारियाँ चुनौती के रूप में घेरे हुए हैं। अनेक रोग ऐसे हैं जिनके उपचार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है,परंतु अब भी कई बीमारियाँ मनुष्य और चिकित्सा जगत के लिए पहेली समान बनी हुई हैं। यह परिघटना न केवल चिकित्सा प्रणाली को निरंतर विकसित होने का संदेश देती है,बल्कि यह भी दर्शाती है कि रोगों के विरुद्ध अंतिम जीत अभी दूर है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दुनियाँ भर में आज भी लाखों लोग उन बीमारियों से संघर्ष कर रहे हैं,जो या तो लाइलाज हैं या जिनका उपचार कठिन, महंगा और अत्यंत जटिल है। ऐसे रोग केवल शरीर को ही प्रभावित नहीं करते, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक संरचना पर भी गहरा प्रभाव डालते हैं। कैंसर इसका प्रमुख उदाहरण है,एक ऐसी बीमारी जिसकी तीव्रता और विस्फोटक विस्तार आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के लिए आज भी अत्यंत बड़ी चुनौती बना हुआ है। कैंसर के अनेक प्रकार,उनकीविविधतापूर्ण प्रकृति और तेजी से फैलने वाले स्वरूप ने यह सिद्ध कर दिया है कि रोगों से लड़ाई विज्ञान और समाज दोनों स्तरों पर बराबर की लड़ाई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दशक में कैंसर के मामलों में असाधारण वृद्धि हुई है, जो यह दर्शाती है कि आधुनिक जीवनशैली और पर्यावरणीय परिवर्तन भी इस रोग के कारकों को बढ़ावा दे रहे हैं। आज हम बीमारियों पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसी संदर्भ में, 17 नवंबर 2025 को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय मिर्गी दिवस( नेशनल एपिलेपसी डे) अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन जाता है।मिर्गी (एपिलेपसी) एक ऐसा न्यूरोलॉजिकल विकार है जो विश्व की लगभग 5 करोड़ आबादी को प्रभावित करता है, और यह आंकड़ा इसे दुनियाँ के सर्वाधिक सामान्यन्यूरोलॉजिकल विकारों में शामिल करता है। इस विकार से पीड़ित लोगों को सामाजिक भेदभाव, गलत धारणाओं और असमंजस का सामना करना पड़ता है। बता दें सबसे पहले यह माना जाता है की यह एक संक्रामक बीमारी है जिस कारण मरीज की कोई सहायता करने से भी डरता है लेकिन यह एक असंक्रामक बीमारी है और हमारे अंदर नहीं फैल सकती है। दूसरी अफवाह यह है की अगर किसी को दौरे पड़ रहे हैं तो उसे भूत प्रेत और जादू टोने से जोड़ दिया जाता है जो पूरी तरह से झूठ है। मिर्गी के मरीज को जूता सुंघाना, उसके मुंह में चम्मच डालना भी आधार रहित

बातें हैं,ऐसे में जागरूकता, स्वीकार्यता और वैज्ञानिक जानकारी ही वह हथियार है जो मिर्गी से पीड़ित व्यक्ति के जीवन को बेहतर, सुरक्षित और सम्मानजनक बना सकता है।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय मिर्गी दिवस के मुख्य उद्देश्य को समझने की करें तो, लोगों को यह समझाना हैं कि मिर्गी कोई अलौकिक घटना नहीं, बल्कि मस्तिष्क का चिकित्सकीय विकार है; इसका इलाज मौजूद है; और सही देखभाल तथा जागरूकता से व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। इस दिवस पर चिकित्सा जगत, समाज और सरकारें मिलकर एक संगठित अभियान के माध्यम से मिर्गी को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास करती हैं। यह संदेश दुनिया के हर देश के लिए समान रूप से महत्त्वपूर्ण है क्योंकि बीमारियों और विकारों का मानव जीवन पर प्रभाव सीमाओं को पार कर वैश्विक स्वरूप धारण करता है। साथियों बात अगर हम जीवनशैली में परिवर्तन, रोग को बढ़ावा देने वाले कारकों से बचाव को समझने की करें तो रोगों के उपचार में केवल दवाइयाँ और चिकित्सा हस्तक्षेप ही पर्याप्त नहीं होते;जीवनशैली में परिवर्तन रोग को बढ़ावा देने वाले कारकों से बचाव, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान तथा नियमित दिनचर्या स्वास्थ्य को मजबूत आधार प्रदान करते हैं। कई बीमारियाँ ऐसी होती हैं जिनका प्रमुख कारण अनुचित जीवनशैली, असंतुलित आहार, तनाव, पर्यावरणीय प्रदूषण और गतिहीन दिनचर्या होती है। विश्वभर में अध्ययन यह दर्शाते हैं कि एक बड़ी संख्या उन रोगों की है जिनका प्रतिशत केवल जीवनशैली सुधार, जैसे स्वस्थ भोजन,नियमित व्यायाम,पर्याप्त नींद,मानसिक संतुलन औरतनाव प्रबंधन से कम किया जा सकता है। मिर्गी के संदर्भ में भी यह पूर्णत: सत्य है। मिर्गी का दौरा कई बार नींद की कमी, तेज़ रोशनी, दिमागी तनाव, शराब सेवन या दवाई छोड़ देने से ट्रिगर हो जाता है। इसलिए, रोग की समझ और जीवनशैली का अनुशासन व्यक्ति को सुरक्षित रखने का सबसे विश्वसनीय तरीका है।जीवनशैली सुधार के अतिरिक्त, जागरूकता वह सटीक और शक्तिशाली अस्त्र है जो रोगों की रोकथाम, उपचार और प्रबंधन में केंद्रीय भूमिका निभाता है। दुनिया के अनेक देशों में स्वास्थ्य से संबंधित जागरूकता अभियानों ने लाखों लोगों की जान बचाई है। पोलियो, एड्स, क्षयरोग और कोविड-19 जैसी बड़ी महामारियों के दौरान भी जागरूकता ने निर्णायक भूमिका निभाई। रोग को समझना, लक्षणों को पहचानना, उपचार को जानना और गलत धारणाओं से दूर रहना,ये सभी बातें व्यक्ति को बीमारी से बचाने में उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितनी आधुनिक दवाइयाँ और तकनीक।

साथियों बात अगर हम आज डिजिटल मीडिया, इंटरनेट और शिक्षा के विस्तार के कारण स्वास्थ्य से संबंधित लाभ हानि को समझने की करें तो,जानकारी पहले की तुलना में कहीं अधिक सुलभ हो गई है। किंतु इसके साथ ही गलत सूचनाओं का प्रसार भी उतनी ही तेजी से हुआ है। ऐसे में वास्तविक,वैज्ञानिक और सत्य आधारित जानकारी लोगों तक पहुँचना बेहद आवश्यक हो गया है। मिर्गी जैसे विकारों को लेकर अभी भी विभिन्न देशों में मिथक और अंधविश्वास फैले हुए हैं। कुछ लोग इसे दैवी या अलौकिक घटना समझते हैं, कुछ इसे मानसिक कमजोरी से जोड़ते हैं और कुछ इसे सामाजिक कलंक की तरह देखते हैं। इस सोच को बदलने का एकमात्र तरीका है, जागरूकता, संवाद और सटीक सूचना का प्रसार।

साथियों बातअगर हम विश्व के कई देशों में ऐसे रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है, इसको समझने की करें तो उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में समान अवसर नहीं मिल पाते। यह स्थिति न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक विकास में भी बड़ी बाधा बनती है। इसलिए, विकारों को त्यागने का संदेश और सामाजिक स्वीकार्यता आज के स्वास्थ्य विमर्श का अत्यंत आवश्यक हिस्सा है। मिर्गी, कैंसर या किसी भी गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को सहानुभूति, सम्मान और सहयोग की आवश्यकता होती है,न कि भेदभाव, दूरी या भय की। यदि सामाजिक रूप से स्वस्थ वातावरण उपलब्ध हो, तो बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति पुनर्वास और सुधार की दिशा में कहीं अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकता है।यह भी स्वीकार करना होगा कि स्वास्थ्य केवलचिकित्सा प्रणाली का विषय नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक संरचना का हिस्सा है। बीमारियों से लड़ाई तभी सफल हो सकती है जब सरकारें, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, सामाजिक संस्थाएँ, स्कूल, मीडिया और आम नागरिक मिलकर एक वैश्विक प्रयास करें। इस संदर्भ में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ, रेड क्रॉस जैसी संस्थाएँ दुनिया के विभिन्न देशों में बीमारियों के प्रति जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने में निरंतर कार्यरत हैं।

साथियों बात अगर हम इस तथ्य को समझने की करें कि आज की दुनियाँ में यह आवश्यक है कि हम बीमारी को केवल चिकित्सा दृष्टि से नहीं,बल्कि एक समग्र सामाजिक -मानवीय दृष्टि से देखें। रोगों से पीड़ित लोगों की संख्या तब ही कम होगी जब समाज के प्रत्येक व्यक्ति में जागरूकता का विस्तार होगा, जीवनशैली में सुधार आएगा और बीमारियों के विरुद्ध सामूहिक प्रयास होंगे। हमें यह समझना होगा कि कोई भी रोग किसी एक व्यक्ति, परिवार या देश की समस्या नहीं है; यह संपूर्ण मानवता की साझा चुनौती है इसीलिए, 17 नवंबर 2025 का राष्ट्रीय मिर्गी दिवस केवल भारत का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वैश्विक संदेश है,कि बीमारियों और विकारों से लड़ाई में जागरूकता, सहानुभूति, विज्ञान और उचित जीवनशैली को अपनाना ही सबसे प्रभावी रास्ता है। यह दिन न केवल मिर्गी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर है, बल्कि आधुनिक दुनिया को यह याद दिलाने का भी मंच है कि जब तक मानवता के किसी भी हिस्से में कोई व्यक्ति किसी रोग से पीड़ित है, तब तक हमारी जिम्मेदारी नहीं होती।

अंत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह समझना आवश्यक है कि आधुनिक तकनीक,चिकित्सा विज्ञान, सामाजिक जागरूकता और मानवीय सहयोग मिलकर ही एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जहाँ रोग केवल उपचार का विषय न हो,बल्कि रोकथाम, जागरूकता और संवेदना के साथ नियंत्रित हो सके। हम सभी का दायित्व है कि रोगों से जूझ रहे लोगों के प्रति सहानुभूति रखें,उन्हें सही जानकारी दें,जीवनशैली सुधारने को प्रेरित करें और स्वास्थ्य को सर्वोपरि रखते हुए समाज को बेहतर दिशा दें। यही आधुनिक, संवेदनशील और स्वास्थ्य- सुरक्षित विश्व की वास्तविक पहचान है।

लेखक - **किशन सनमुखदास भावनानी**,
गोंदिया महाराष्ट्र

## आंचलिक

# ब्राउन शुगर तस्कर गिरफ्तार, 5.47 ग्राम जब्त चोरी और आबकारी समेत 8 मामला दर्ज

**दैनिक इंदौर संकेत**

**खरगौन** ● बड़वाह पुलिस ने अवैध ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले आरोपी सद्दाम (23) पिता अलीम खान निवासी मछली बाजार बड़वाह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 5.47 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत 55 हजार रुपए है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी सद्दाम के खिलाफ चोरी और आबकारी अधिनियम सहित कुल 8 मामले दर्ज हैं। जानकारी के मुताबिक बड़वाह थाने को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति जयंती माता रोड पर छोटी पुलिया के पास ब्राउन शुगर लेकर आ रहा है। इस सूचना पर निरीक्षक बलराम सिंह राठौर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी सद्दाम को मौके से पकड़ लिया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपी से ब्राउन शुगर के सप्लायर के बारे में पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपी सद्दाम को न्यायालय में पेश किया गया है, और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन अनुराग और उप पुलिस महानिरीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में, पुलिस अधीक्षक खरगोन रविंद्र वर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाकुंता रुहल ने भी जिले के सभी अधिकारियों को मादक पदार्थों की तस्करी रोकने और नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम और नशे के कारोबार को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के सतत प्रयासों का हिस्सा है।

# एसआईआर फॉर्म गांव-बूथों तक नहीं पहुंचे, निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की, तत्काल कार्रवाई की मांग -कांग्रेस

**दैनिक इंदौर संकेत**

**खंडवा** ● जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य 28 अक्टूबर से शुरू हो चुका है। लेकिन 20 दिन बीत जाने के बाद भी कई गांव और बूथों तक निर्धारित फॉर्म नहीं पहुंच पाए हैं। मामले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह पुरनी ने शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की है। उन्होंने कहा, एसआईआर फॉर्म अभी तक बूथों तक नहीं पहुंचे हैं। इसके संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाए। अन्यथा आगे की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की रहेगी। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2025 की प्रक्रिया 28

अक्टूबर से शुरू हो गई है, जो 7 फरवरी 2026 तक चलेगी। इसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची का शुद्धिकरण कर लोकतंत्र को सशक्त बनाना है। इस प्रक्रिया के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे, जिसके आधार पर अंतिम मतदाता सूची तैयार की जाएगी। लेकिन इस बीच सर्वे के लिए निर्धारित फॉर्म का बूथों तक न पहुंच पाना प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। अब जिला कांग्रेस कमेटी ने निर्वाचन आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने नए नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6, नाम हटाने (विलोपन) के लिए फॉर्म 7 और संशोधन या स्थान परिवर्तन (स्थानांतरण) के लिए फॉर्म 8 की भी जानकारी दी।

# मोटरपंप चोर गिरफ्तार बाइक, 2 पंप समेत 62 हजार की सामग्री जब्त

**दैनिक इंदौर संकेत**

**खरगौन** ● करही थाना क्षेत्र में खेतों से मोटरपंप चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से चोरी के दो मोटरपंप और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की गई है। जब्त की गई सामग्री की कुल कीमत 62 हजार रुपए बताई गई है। करही टीआई राजेंद्र इंगले ने बताया कि 14 नवंबर को थाने में सूचना मिली थी कि कोगांवा और बंडेरा के खेतों से अज्ञात बदमाशों ने मोटरपंप चुरा लिए हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर से जानकारी मिली कि ग्राम कोदलाखेड़ी के अजय मानकर और पिंटू मानकर इस चोरी में शामिल हो सकते हैं। संदेह के आधार पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के दोनों मोटरपंप और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ही आरोपियों को पकड़ लिया। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

# यात्रियों से भरी बस पलटी, 30 घायल, अंधेरे में टॉर्च जलाकर लोगों को बाहर निकाला

**दैनिक इंदौर संकेत**

**खरगौन** ● मलतार जा रही एक निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। इनमें से छह गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। यह घटना शनिवार देर शाम 6:45 बजे रजूर और नंदगांव बगुद के बीच नहर के पास हुई। बस क्रमांक एमपी10 ष्ट 2861 खरगोन से मलतार की ओर जा रही थी, तभी रजूर व नंदगांव बगुद के बीच नहर के पास उसने संतुलन खो दिया। हादसे के बाद बस का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर मोबाइल टॉर्च की रोशनी में फंसे हुए यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घायलों को तत्काल खरगोन अस्पताल भेजा गया। मेनगांव पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घायल यात्री वर्षा बिल्वे ने बताया कि वे खरगोन से रजूर जा रही थीं। बस की रफ्तार काफी तेज थी और वह यात्रियों से खचाखच भरी हुई थी, जिसके कारण रजूर के पास ही बस पलट गई।

# दिल्ली ब्लास्ट केस को लेकर बुरहानपुर पहुंची एनआईए टीम, संदिग्ध डॉक्टरों की तलाश में यूनिवर्सिटी नेटवर्क खंगाल रही है एजेंसी

**दैनिक इंदौर संकेत**

**बुरहानपुर** ● दिल्ली में लाल किले के सामने पार्किंग में चलती कार में हुए विस्फोट की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ह्ढह्ल) की एक टीम शुक्रवार रात बुरहानपुर पहुंचने की सूचना है। टीम रातभर यहां रुककर शनिवार सुबह वापस रवाना हो गई। किसी गिरफ्तारी की आधिकारित पुष्टि नहीं हुई है। जांच के दौरान अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े कुछ डॉक्टरों के नाम एजेंसी के रडार पर आए हैं। इसी कड़ी में ह्ढह्ल टीम हालिया दिनों से डॉक्टरों और उनके नेटवर्क की तलाश विभिन्न स्थानों पर कर रही है।स्थानीय पुलिस को इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। सीएसपी गौरव पाटिल ने कहा कि एनआईए टीम के आने की सूचना मिली है, लेकिन उन्होंने हमसे कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया। ऐसे में हम इस बारे में कुछ भी आधिकारिक रूप से नहीं कह सकते।

# कर्ज एकमुश्त चुकाने पर 40 से 50% की छूट अंबाड़ा में रात्रि चौपाल- एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक

**दैनिक इंदौर संकेत**

**बुरहानपुर** ● भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की कृषि शाखा बुरहानपुर ने अंबाड़ा गांव में 'रात्रि चौपाल' का आयोजन किया। शनिवार रात आयोजित इस चौपाल में किसानों को एनपीए खातों पर 40 से 50 प्रतिशत तक की छूट देने की घोषणा की गई। इसके साथ ही किसानों को विभिन्न बैंकिंग और कृषि योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार मिश्रा और सीएम क्रेडिट जितेंद्र जैसवाल उपस्थित रहे। चौपाल का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि ऋण, उनसे संबंधित योजनाओं और समय पर ऋण चुकाने के लाभों से अवगत कराना था। क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि ऋण समाधान शिविर में वर्ष 2025 तक एनपीए खातों में बकाया ऋण एकमुश्त जमा कराने पर 40 से 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। उन्होंने किसानों को आगाह किया कि ऋण का भुगतान न करने से क्रेडिट स्कोर खराब होता है, जिससे भविष्य में किसी भी बैंक से ऋण मिलना मुश्किल हो सकता है।

# रेल रोको आंदोलन, ट्रैक तक नहीं पहुंचे किसान

**दैनिक इंदौर संकेत**

**खंडवा** ● खंडवा में किसानों द्वारा रेल रोको प्रदर्शन दिन भर चला लेकिन किसान रेलवे ट्रैक तक नहीं पहुंच पाया। शाम 6 बजे सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने पहुंचकर लोगों को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा केंद्रीय मंत्री से मुलाकात का समय लेकर किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ वहां जाएंगे और उनके समक्ष समस्या रखेंगे। दरअसल सर्व किसान समाज ने शनिवार सुबह से रेल रोको आंदोलन शुरू किया। करीब 5 हजार किसान पहुंचे। सुबह पहुंचे सांसद ने किसानों की कृषि मंत्री एंदलसिंह कंसाना से फोन पर बातचीत करवाई। आंदोलन के समय किसानों ने मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान से बात कराने की मांग की, लेकिन सांसद पाटिल सीधे संपर्क नहीं करवा पाए। उन्होंने किसानों से दो घंटे का समय मांगा। यदि केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री से बात होगी और वे आश्वस्त करेंगे कि सात दिन में समस्याओं का निराकरण होगा, तभी किसान आंदोलन खत्म करेंगे। किसान नेता जय पटेल और सुभाष पटेल ने कहा कि अगर दो घंटे में संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वे लगभग 3 बजे रेलवे ट्रैक पर जाकर बैठ जाएंगे। टिगरिया गांव के मांगलिक भवन से ही कई संगठनों के किसान नेता जुटने लगे। 70 गांवों के लगभग 5 हजार किसान के जुटने की उम्मीद है। किसानों ने मांग करते हुए कहा कि केंद्र सरकार प्याज का निर्यात तुरंत खोले, ताकि विदेशों में बिक्री से भाव बढ़ सकें। यदि निर्यात नहीं खुलता तो सरकार महाराष्ट्र की तर्ज पर 24 रुपए प्रति किलो की दर से खरीदी करे। अगर ये दोनों विकल्प नहीं होते, तो किसानों को प्रति एकड़ 75 हजार रुपए प्याज फसल क्षति का मुआवजा दिया जाए।

# हार के लिए पिच को जिम्मेदार नहीं मानते : गौतम गंभीर

**कोलकाता (एजेंसी)** • कोलकाता टेस्ट हारने के बाद कोच गौतम गंभीर ने कहा कि पिच मुश्किल थी, लेकिन ऐसी नहीं थी कि उस पर खेला ही न जा सके। उन्होंने बताया कि टीम ने पहले से ही ऐसी पिच की मांग की थी, ताकि खिलाड़ियों की मानसिक ताकत की अच्छी परीक्षा हो सके। गंभीर ने कहा, यह विकेट अनप्लेयेबल नहीं था। हमने जो पिच मांगी थी, हमें वही मिली। क्यूरेटर सुजान मुखर्जी ने पूरा सहयोग किया। जिस बल्लेबाज ने डिफेंस के साथ खेला, उसने रन बनाए। उन्होंने तेंबा बावुमा (55*) और भारत के वॉशिंगटन सुंदर (92 गेंदों पर 31) का उदाहरण देते हुए कहा कि इस ट्रैक पर टिककर खेलने वालों ने स्कोर किया।

गंभीर ने आगे कहा, अगर इसे टर्निंग विकेट कहें तो यह सही नहीं, क्योंकि ज्यादातर विकेट सीमर्स ने ही लिए। उन्होंने कहा कि टीम ऐसी सूखी पिच चाहती थी, जिस पर टॉस का असर ज्यादा न पड़े। अगर हम मैच जीत जाते, तो पिच पर इतनी बात ही नहीं होती। हमारे खिलाड़ी हर तरह की स्थिति में खेलने में सक्षम हैं।

# टोक्यो में 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलंपिक्स में भारत की शानदार शुरुआत

**टोक्यो (एजेंसी)** •

धनुष श्रीकांत ने जापान के टोक्यो में चल रहे 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलंपिक्स में 10 मीटर एयर राइफल में विश्व बधिर रिकॉर्ड तोड़ते हुए निशानेबाजी में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने डेफलंपिक क्वॉलिफिकेशन रिकॉर्ड भी तोड़कर फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल में, धनुष ने 252.2 अंक बनाकर अपने ही विश्व रिकॉर्ड 251.7 अंक से बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 अंक के साथ रजत पदक जीता। महिला निशानेबाजों ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर प्रतियोगिता के पहले दिन निशानेबाजी में भारत के लिए कुल चार पदक जीते। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फ़ाइनल में, महित संधू ने 250.5 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जो यूक्रेन की वायलेटा लाइकोवा से 1.9 अंक पीछे था, जिन्होंने 252.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता।

भारत की कोमल मिड्क्षलद वाघमारे ने 228.3 अंकों के साथ कांस्य पदक जीतकर भारतीय महिलाओं के लिए दोहरा पोडियम फिनिश बनाया। पिस्तौल निशानेबाज सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में हिस्सा लेंगे और पदकों का फैसला होगा।

# फिल्म 'रेजिडेंट' को लेकर सुर्खियों में अक्षय ओबेरॉय

**मुंबई (एजेंसी)** • फिल्म 'रेजिडेंट' को लेकर अभिनेता अक्षय ओबेरॉय सुर्खियों में हैं। 'रेजिडेंट' एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो इंसानी मानसिकता के जटिल और गहरे पहलुओं को उजागर करेगी। एक इंटरव्यू में अक्षय ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म के किरदार को पूरी तरह आत्मसात किया है। अक्षय का कहना है कि उन्हें हमेशा से ऐसी कहानियां आकर्षित करती हैं, जो उन्हें भावनात्मक रूप से चुनौती दें और अभिनय में नई परतें जोड़ें। उनके अनुसार, 'रेजिडेंट' केवल डर या सस्पेंस पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि यह इंसान के भीतर छिपे मनोवैज्ञानिक संघर्षों और भय को उजागर करती है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा ऐसे किरदारों की ओर खिंचता हूं, जिनमें भावनाओं की गहराई और अप्रत्याशित मोड़ हों। इस फिल्म में वही सब कुछ है जोखिम, रहस्य और इंसानी मन की पेचीदगियां।' अक्षय ने अपनी पिछली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का जिक्र करते हुए कहा कि वह फिल्म हल्की-फुल्की रोमांटिक और कॉमेडी शैली की थी, जबकि 'रेजिडेंट' बिल्कुल अलग दिशा में जाती है। यह गंभीर, सोचने पर मजबूर करने वाली और दर्शकों को खुद के भीतर झांकने का मौका देने वाली फिल्म है।

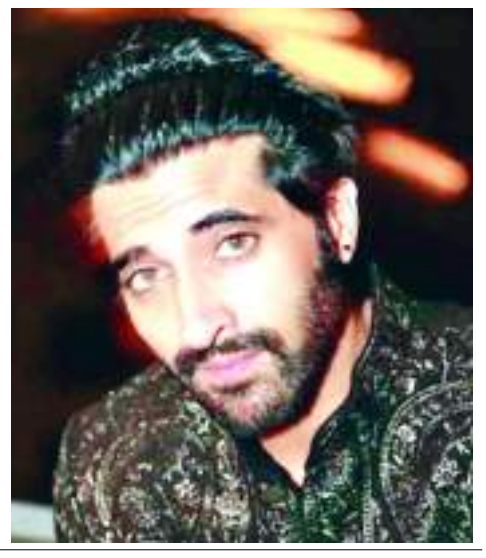

# मैं किसी तय नियम या कैलेंडर से नहीं जीती: कुब्रा सैत

**मुंबई (एजेंसी)** • अभिनेत्री कुब्रा सैत 'लव लिंगो' सीज़न 2 के पहले एपिसोड में महिलाओं की पहचान और समाज द्वारा बनाए गए नियमों से परे जीने के मायने पर खुलकर बात की। जस सगू और अर्सला कुरैशी द्वारा होस्ट किए जा रहे इस शो का नया सीज़न प्रेम, भाषा और संस्कृति के रिश्तों को नए सिरे से समझने का प्रयास करता है, और कुब्रा की ईमानदार बातचीत ने इसे एक सशक्त दिशा दी। कुब्रा ने कहा, 'अच्छी लड़कियाँ लड़कों से बात नहीं करतीं, अच्छी लड़कियाँ लिपस्टिक नहीं लगातीं, अच्छी लड़कियाँ बस सुनती हैं बचपन में मैंने कहीं यह पढ़ा था। लेकिन आज मेरी ज़िंदगी में इनमें से कुछ भी नहीं है। मैं किसी तय नियम या कैलेंडर से नहीं जीती।

## उज्जैन संभाग

### केरल विवि के कोर्स में सुपेकर की लघुकथा

**दैनिक इंदौर संकेत**

**उज्जैन** • शहर के लघुकथाकार संतोष सुपेकर की लघुकथा 105 नंबर, केरल के सेंट थॉमस कॉलेज, पलाई, कोट्टयम (महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के अधीन स्वायत्तशासी महाविद्यालय) के बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर, यूजी ऑनर्स की हिंदी पुस्तक के पाठ्यक्रम में शामिल की गई है। जानकारी सरल काव्यांजलि के डॉ. संजय नागर ने दी।

# जयाप्रदा ने महाकाल दर्शन किए, धर्मेंद्र के स्वास्थ्य की कामना, मंदिर व्यवस्था की सराहना की

**दैनिक इंदौर संकेत**

**उज्जैन** • अभिनेत्री और भाजपा नेता जयाप्रदा ने रविवार को विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उन्होंने नंदी हॉल में बैठकर भगवान महाकाल की पूजा की। इस दौरान जयाप्रदा ने अभिनेता धर्मेंद्र के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने बिहार में एनडीए की जीत को प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और जनता का उन पर विश्वास बताया। मीडिया से बातचीत में जयाप्रदा ने कहा कि महाकाल के दरबार से कोई खाली हाथ नहीं जाता। उन्होंने बिहार चुनाव में एनडीए की जीत को मोदी की गारंटी और जनता का विश्वास बताया। जयाप्रदा ने कहा कि जनता चाहती है कि एनडीए सरकार सत्ता में रहे। उन्होंने धर्मेंद्र के जल्द स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की। जयाप्रदा ने महाकाल मंदिर समिति द्वारा की गई दर्शन व्यवस्था की सराहना की। मंदिर प्रशासन की ओर से सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने उन्हें प्रसाद और दुपट्टा भेंट कर सम्मानित किया। गौरतलब है कि अभिनेत्री जयाप्रदा अक्सर बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आती रहती हैं। वह सितंबर माह में भी भगवान के दर्शन करने पहुंची थीं।

# देशभर में एक लाख हनुमान चालीसा का लक्ष्य

**दैनिक इंदौर संकेत**

**उज्जैन** • अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल ने देशभर में एक लाख हनुमान चालीसा पाठ करने का लक्ष्य रखा है। इसकी सफलता के लिए संगठन ने तैयारियां शुरू कर दी है। जल्द ही संगठन द्वारा विभिन्न शहरों, कस्बों और ग्रामों में हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां समिति के माध्यम से नियमित पाठ होगा।

यह बात संगठन के महामंत्री मूलचंद साध ने गायत्री साधना केंद्र, मुरलीपुरा, बड़नगर रोड पर हुई अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल एवं राष्ट्रीय महिला परिषद ओजस्विनी की प्रांत वृत्त बैठक में कही। उन्होंने कहा प्रत्येक केंद्र पर निर्धारित संख्या में भक्तों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि लक्षित एक लाख पाठ को समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके। कोषाध्यक्ष मुकेश पाटीदार ने बताया कि बैठक में संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई और बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत विमर्श हुआ।

प्रांत संगठन महामंत्री संजय यादव, प्रांत महामंत्री किशोर यादव, प्रांत मंत्री देवेंद्र अंजना, राष्ट्रीय बजरंग दल प्रांत अध्यक्ष अनिल सिंगार उपस्थित थे। राष्ट्रीय महिला परिषद, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल पदा?धिकारी घोषित किए।

# सात दिवसीय वैचारिक शृंखला का आगाज आज से, देश की विभिन्न हस्तियां करेंगी शिरकत

**दैनिक इंदौर संकेत**

**उज्जैन** • भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा कर्मयोगी कृष्णमंगल सिंह कुलश्रेष्ठ की प्रेरणा एवं कवि कुलगुरु डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय सद्भावना व्याख्यानमाला अपने 23वें पड़ाव पर प्रवेश कर रही है। संस्था प्रमुख युधिष्ठिर कुलश्रेष्ठ, संस्था डायरेक्टर अमृता कुलश्रेष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सात दिवसीय वैचारिक शृंखला 17 से 23 नवम्बर 2025 तक भारतीय ज्ञानपीठ, माधवनगर स्थित सद्भावना सभागार में प्रतिदिन शाम 5 से 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। देश के विभिन्न भागों से आमंत्रित प्रखर चिंतक प्रतिदिन किसी महत्त्वपूर्ण एवं समसामयिक विषय पर अपने विचार रखेंगे, जबकि प्रत्येक दिवस की अध्यक्षता उज्जैन के प्रतिष्ठित बौद्धिकजनों द्वारा की जाएगी।

17 नवम्बर, जब भारत के सुप्रसिद्ध रक्षा वैज्ञानिक एवं ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना के पूर्व महानिदेशक, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे विकसित भारत की यात्रा में रक्षा प्रौद्योगिकी का योगदान विषय पर विचार रखेंगे। इस दिवस की अध्यक्षता पूर्व कुलगुरु एवं वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. मोहन गुप्त करेंगे।

18 नवम्बर को पूर्व कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी संस्कृत कविता में लोक जीवन विषय पर अपने विचार रखेंगे। अध्यक्षता डॉ. गोविंद गंधे, निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन द्वारा की जाएगी।

19 नवम्बर को हार्टफुलनेस रिसर्च सेंटर, मैसूर के निदेशक, डॉ. मोहनदास हेगड़े भारत की आत्मा उसकी संस्कृति, उसकी परंपराओं में बसती है विषय पर अपने मर्मस्पर्शी विचार रखेंगे। अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं साहित्यकार तुलसीदास परोहा करेंगे।

20 नवम्बर को महात्मा गांधी स्टडी सेंटर, अंबाजोगाई (महाराष्ट्र) की निदेशक, श्रीमती शैलजा बारूरे महात्मा गांधी और मानवतावाद विषय पर अपने विचार रखेंगी। अध्यक्षता डॉ. निवेदिता वर्मा, वरिष्ठ शिक्षाविद्, डॉ. अंबेडकर पीठ, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन करेंगी।

# शादी भोज खाने से 67 लोग बीमार, स्वास्थ्य टीम ने किया उपचार; प्रशासन ने जांच के लिए लिया सैंपल

**दैनिक इंदौर संकेत**

**आगर मालवा** • नलखेड़ा जनपद के ग्राम धरोला में शनिवार रात एक शादी समारोह के भोज के बाद 67 लोग बीमार पड़ गए। भोज के बाद से ही ग्रामीणों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द होने लगी। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत की, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सिविल अस्पताल नलखेड़ा की कॉम्बैट टीम तुरंत ग्राम धरोला पहुंची। स्वास्थ्य कर्मियों ने मौके पर ही 47 लोगों का प्राथमिक उपचार किया, जिसमें उन्हें दवाइयां और लिक्विड फुड दिया गया। वहीं लगभग 20 मरीजों को एंबुलेंस से सिविल अस्पताल नलखेड़ा भेजा गया, जहां उन्हें भर्ती कर निगरानी में रखा गया है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर और सामान्य बताई जा रही है।

### खाने के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजा

घटना की जानकारी मिलने पर खाद्य और औषधि विभाग की टीम भी सक्रिय हो गई। अधिकारियों ने शादी समारोह में परोसे गए खाने के विभिन्न सैंपल एकत्र किए और उन्हें लैब जांच के लिए भेज दिया। प्रारंभिक अनुमान है कि यह खाद्य विषाक्तता का मामला हो सकता है, लेकिन वास्तविक कारण जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। रातभर गांव में अफरा-तफरी का माहौल रहा। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग की त्वरित कार्रवाई और ग्रामीणों के सहयोग से स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। प्रशासन ने लोगों से ऐसी किसी भी स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचित करने की अपील की है ताकि समय पर उपचार मिल सके। इस घटना से शादी समारोह की खुशियां भले ही फीकी पड़ गई हों, लेकिन राहत की बात यह है कि सभी प्रभावित मरीज अब सुरक्षित हैं और चिकित्सकों की लगातार निगरानी में हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभावित हितग्राहियों को प्रधानमंत्री ने वर्चुअल कराया गृह प्रवेश

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** ● भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत जनजातीय धरती आबा ग्राम उदय महू जनपद की 23 ग्राम पंचायत के 510 हितग्राहियों को वर्चुअल गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर पातालपानी में आयोजित जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक उषा ठाकुर, जनपद अध्यक्ष सरदार मालवीय, जनपद सदस्यगण, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन एवं ग्रामीण जनों की गरिमामयी उपस्थिति में गृह प्रवेश के हितग्राहियों को भेंट स्वरूप चाबी के प्रतीक चिन्ह दिये गये।

### बिना वैध डिग्री और रजिस्ट्रेशन के दवाखाना संचालित किए जाने पर बड़ी कार्रवाई

**इंदौर** ● अवैध रूप से दवा खाना संचालित करने पर कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गई है । यह कार्रवाई बिना वैध डिग्री और रजिस्ट्रेशन के संचालित किए जाने पर की गई है। डॉ. विजय (विप्रा) गुप्ता नाम से चल रहे इस दवाखाने पर एसडीएम हातोद की टीम ने औचक निरीक्षण कर क्लीनिक को सील कर दिया। एसडीएम विनोद राठौड़ ने बताया कि निरीक्षण दल में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट डी.के. वर्मा, चिकित्साधिकारी डॉ. उमेश मंडलोई सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। जांच के दौरान टीम को पाया कि आरोपी विजय गुप्ता के पास न तो कोई वैध मेडिकल डिग्री थी और न ही क्लीनिक का कोई रजिस्ट्रेशन। इसके बावजूद वह एलोपैथिक पद्धति से इलाज कर रहा था तथा रोगियों को इंजेक्शन लगाने सहित अन्य चिकित्सा प्रक्रियाएं कर रहा था। निरीक्षण में क्लीनिक से विभिन्न प्रकार की दवाइयाँ, इंजेक्शन और अन्य चिकित्सकीय सामग्री बरामद की गई।

# प्रदेश में कड़ाके की ठंड : अगले 2 दिन शीतलहर का अलर्ट

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** ● इस बार नवंबर में ही पूरा मध्यप्रदेश ठिठुर रहा है। भोपाल, इंदौर में तो पारा रिकॉर्ड लुढ़का है। वहीं, ग्वालियर, जबलपुर-उज्जैन समेत कई शहरों में कड़ाके की ठंड है। अगले 2 दिन तक कई जिलों में शीतलहर का अलर्ट है। इसके बावजूद प्रदेश में स्कूलों की टाइमिंग नहीं बदली गई है। सिर्फ ग्वालियर, छिंदवाड़ा और देवास कलेक्टर ने ही स्कूल लगने का समय बदला है। बाकी किसी भी जिले में टाइमिंग बढ़ाने से जुड़ा कोई भी आदेश जारी नहीं हुआ है।

इस वजह से नन्हें बच्चे ठिठुरते हुए स्कूल जा रहे हैं। भोपाल की ही बात करें तो स्कूल की दूरी ज्यादा होने पर सुबह 6.30 बजे से वैन-बसें बच्चों को लेने पहुंच जाती हैं। ज्यादातर स्कूलों की शुरुआत सुबह 7.30 बजे ही हो रही है। कटारा के सेंट फ्रांसिस को-एड स्कूल में जरूर समय में 30 मिनट का बदलाव किया है। सेज इंटरनेशनल स्कूल ने भी सर्दी के मद्देनजर स्कूल लगने का समय बढ़ा दिया है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी से बात करके टाइमिंग बढ़ाई जाएगी।

जल्द आदेश जारी कर देंगे। ग्वालियर में 1 नवंबर से कुछ स्कूलों ने सुबह 8:20 तो कुछ ने 8:10 से क्लासेस शुरू होने का समय रख दिया था। वहीं, स्कूल की छुट्टी होने का समय दोपहर 1 बजे और इससे अधिक तय कर दिया गया था। भोपाल में स्कूल समय को लेकर फिलहाल दो स्थितियां हैं। निजी स्कूलों में से अधिकांश ने 20 से 30 मिनट समय आगे बढ़ा दिया है, वहीं सरकारी स्कूलों में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। इनके समय पहले से ही सुबह 10:30 से शाम 4 बजे तक हैं। मॉडल स्कूल का समय भी पहले से ही गर्मी-सर्दी को ध्यान में रखकर सुबह 9:30 से दोपहर 3:30 बजे तक तय है। उज्जैन शिक्षा विभाग के एडीपीसी गिरीश तिवारी ने बताया कि ठंड के कारण सुबह के समय लगने वाले स्कूलों में अभी समय परिवर्तन के लिए कोई निर्णय नहीं हुआ है। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा के मुताबिक, इंदौर में अभी कोल्ड डे जैसी स्थिति नहीं है। अगर सोमवार को मौसम बहुत ज्यादा सर्दी रही या कोल्ड डे जैसे स्थिति बनी तो शिक्षा विभाग से समन्वय कर स्कूलों के टाइमिंग को लेकर निर्णय लेंगे।

# प्रदेश भाजपा में इंदौर का कद और बढ़ा रणदिवे सागर, खरे ग्वालियर संभाग प्रभारी बने

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** ● मध्यप्रदेश बीजेपी में संगठनात्मक बदलाव के साथ इंदौर का कद और बढ़ गया है। बीजेपी ने प्रदेश में विभिन्न संभागों के प्रभारी नियुक्त किए हैं, जिसमें इंदौर के नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी गई है। इंदौर में बीजेपी की नई राजनीतिक तिकड़ी के प्रमुख गौरव रणदिवे को सागर संभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। हाल ही में उन्हें एमपी बीजेपी में प्रदेश महामंत्री का अहम पद दिया गया था। वहीं, इंदौर के ही डॉ. निशांत खरे को ग्वालियर संभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इंदौर की जिम्मेदारी रणवीर रावत को सौंपी गई है। सागर में बीजेपी में ही तीन ध्रुव काम करते हैं। इसमें एक पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता गोपाल भार्गव हैं तो दूसरी ओर पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह। तीसरा मोर्चा सिंधिया खेमे से मंत्री गोविंद सिंह राजपूत हैं।

ऐसे में रणदिवे के लिए सभी को साधकर आगे बढ़ना भी अहम होगा। सभी के बीच सामंजस्य बड़ी चुनौती होगी। गौरव रणदिवे के महामंत्री बनने के बाद विधायक पुत्र एकलव्य गौड़ गुटकर जमकर खुश हुआ था। आतिशबाजी भी की गई थी। इसके साथ ही सावन सोनकर हैं और फिर प्रताप करोसिया भी इसी गुट में शामिल हैं। हाल ही में करोसिया ने भी नागरिक अभिनंदन किया था। खुली जीप में रोड शो हुआ और रणदिवे ने जमकर अपनी

ताकत दिखाई। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी बीजेपी दफ्तर में बोल चुके हैं कि मैं अपने लगाए पौधे नहीं काटता हूं। पूर्व में रणदिवे मंत्री के काफी करीब थे लेकिन बीजेपी नगराध्यक्ष बनने के बाद दूरियां बढ़ गईं। नगराध्यक्ष पद से हटने के बाद इंदौर बीजेपी नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा पद पर आए। उधर रणदिवे पहले सुहास भगत और फिर प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के साथ जुड़ गए। इसका राजनीतिक लाभ उन्हें महामंत्री बनकर हुआ है।

इंदौर संभागीय प्रभारी के पद से राघवेंद्र गौतम की विदाई हो गई है। उनकी जगह करैरा के पूर्व विधायक और बीजेपी के पूर्व प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत को इंदौर संभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

रावत नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष भी बने हैं। वो पहले भी मंडल नियुक्ति के लिए रायशुमारी के लिए इंदौर आ चुके हैं। वहीं राजनीति के तौर पर सबसे चुनौती वाला संभाग फिलहाल ग्वालियर है। यहां विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच राजनीतिक मतभेद जगजाहिर हैं। यहां की जिम्मेदारी इंदौर के डॉ. निशांत खरे को दी गई है जो नई कार्यकारिणी में प्रदेश उपाध्यक्ष बने हैं। ऐसे में ग्वालियर का प्रभार बनाकर उन पर भी समन्वय की अहम जिम्मेदारी दी गई है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने 3 नए संभाग बनाते हुए 13 संभागीय प्रभारी घोषित किए हैं। इंदौर से निमाड़ को अलग कर, जबलपुर संभाग से छिंदवाड़ा को अलग कर और उज्जैन से मंदसौर को अलग कर नए बीजेपी संभाग बनाए गए हैं। बीजेपी ने जिन 13 नेताओं को संभागीय प्रभारी बनाया है। उनमें से चार नेता ऐसे हैं जो बीजेपी के प्रदेश पदाधिकारी नहीं हैं। तेज बहादुर सिंह, अभय यादव, विजय दुबे, गौरव सिरोठिया और सुरेश आर्य प्रदेश पदाधिकारी नहीं हैं।

### राजा राममोहन राय को दलाल कहने वाले शिक्षा मंत्री पलटे

# परमार ने अब कहा- गलती से बोला

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** ● मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार अपने उस बयान से पलट गए हैं, जिसमें उन्होंने देश के प्रसिद्ध समाज सुधारक राममोहन राय को अंग्रेजों का दलाल कहा था। परमार ने रविवार को एक वीडियो में कहा- कल आगर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती कार्यक्रम में उनके जीवन पर बोलते समय संदर्भों के क्रम में मुझसे गलती से राजा राममोहन राय के बारे में गलत शब्द निकल गए।

इसके लिए मुझे अत्यंत दुख है और मैं प्रायश्चित करता हूं। राजा राममोहन राय एक प्रसिद्ध समाज सुधारक थे और मैं व्यक्तिगत रूप से उनका सम्मान करता हूं। त्रुटिवश यह बयान मेरे मुंह से निकल गया, जिसके लिए मैं क्षमा चाहता हूं।' वहीं, मंत्री परमार के बयान को लेकर टीएमसी सांसद और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष रीताब्रत बनर्जी ने कहा कि यह भाजपा की बांग्ला-विरोधी मानसिकता का स्पष्ट प्रदर्शन है। दरअसल, परमार ने शनिवार को आगर मालवा में बिरसा मुंडा की 150वीं

जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में राजा राममोहन राय को अंग्रेजों का दलाल कह दिया था। इस बयान पर विवाद शुरू हो गया था।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने अपने विवादित बयान पर माफी मांगी है। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने अपने विवादित बयान पर माफी मांगी है। मंत्री इंदर सिंह परमार ने आगर मालवा में कहा था- अंग्रेजी शासन मिशनरी स्कूलों के जरिए लोगों की आस्था बदलने का कुचक्र चला रहा था। इसी साजिश का हिस्सा राजा राममोहन राय भी थे। उस दौर में अंग्रेजों के संचालित मिशनरी स्कूल ही शिक्षा का साधन थे, जहां धर्मांतरण की कोशिशें होती थीं। कई लोगों को अंग्रेजों ने फर्जी समाज सुधारक बनाकर पेश किया। इसी क्रम में उन्होंने राजा राममोहन राय को अंग्रेजों का दलाल बताया। मामले में टीएमसी सांसद रीताब्रत बनर्जी ने कहा - बीजेपी की बंगाल के महापुरुषों के प्रति नफरत हर हद पार कर गई है। सती प्रथा को समाप्त करने और आधुनिकता, मानवतावाद और महिला अधिकारों की शुरुआत करने वाले राजा राम मोहन राय को 'ब्रिटिश एजेंट' कहना कोई बड़ी चूक नहीं है। यह भाजपा की बांग्ला-विरोधी मानसिकता का स्पष्ट प्रदर्शन है। टीएमसी सांसद ने कहा, जब आप बंगाल की बुद्धिमता की बराबरी नहीं कर पाते, तो उसे बदनाम करने की कोशिश करते हैं। लेकिन बंगाल ने 2021 में इस नफरत को नकार दिया है। 2024 में भी इसे नकार दिया है। 2026 में बंगाल की जनता के हाथों इस बांग्ला विरोधी भाजपा का पतन अवश्यंभावी है। परमार ने कहा था कि पूर्ववर्ती सरकारों ने असली आदिवासी नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों के इतिहास को दबाया। उन्होंने कहा- जिन लोगों ने धर्मांतरण की राह आसान की, उन्हें महान बताया गया और असली वीरों को पीछे रखा गया।

# जांच तक प्रोफेसर को प्रशासनिक शैक्षणिक कार्यों से किया अलग

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** ● प्रदेश के सबसे बड़े इंजीनियरिंग संस्थान में छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया। संस्थान के प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष पर छात्रा ने आरोप लगाया किया परीक्षा में पास करवाने का झांसा देकर उसकी कमर पर हाथ रखने जैसी आपत्तिजनक हरकत की। शिकायत मिलते ही निदेशक ने पूरे मामले की जांच महिला उत्पीड़न निवारण समिति को सौंप दी। वहीं प्रोफेसर को जांच पूरी होने तक सभी प्रशासनिक व शैक्षणिक कार्यों से अलग कर दिया गया।

### पहले भी लगे हैं अनुचित व्यवहार के आरोप

सूत्रों की माने तो जिस प्रोफेसर पर आरोप लगे हैं उन पर पहले भी अनुचित व्यवहार का मामला सामने आया था, लेकिन तब कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि कहीं इस बार भी मामले को दबाने की कोशिश न हो। वहीं विभागीय सूत्रों की माने तो छात्रा के अकादमिक हितों को ध्यान में रखते हुए प्रोफेसर से एचओडी पद व अन्य जिम्मेदारियां वापस ले ली गई हैं। समिति दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

**यह है मामला :** दरअसल घटना गत गुरुवार की है, जो इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में हुई। छात्रा अपने अकादमिक कार्य और परीक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने एचओडी के केबिन में गई। वहां बातचीत के दौरान प्रोफेसर ने अनुचित व्यवहार किया। सूत्रों की माने तो छात्रा ने कहा कि प्रोफेसर ने उसकी कमर पर हाथ रखते हुए कहा कि उसका ईयर बैक लगा है, लेकिन वे चाहें तो उसे पास करवा सकते हैं। उनकी हरकत से डरी छात्रा तुरंत केबिन से बाहर निकली और सीधे निदेशक से शिकायत की। अभिभाव के साथ छात्रा स्थानीय थाने पर पहुंची और आवेदन देकर घटना की जानकारी दी।

### स्टाफ की कमी के चलते एक सप्ताह आगे बढ़ा दिए इंटरनल टेस्ट

# कर्मचारियों की ड्यूटी अन्य कार्यों में लगाने से विश्वविद्यालय का कामकाज प्रभावित

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** ● ड्यूटी अन्य कार्य में लगाने से कामकाज प्रभावित होना शुरू हो गया है। विवि सैकड़ों कर्मचारियों, अधिकारियों की एसआईआर में बीएलओ और सहायक बीएलओ के रुप में ड्यूटी लगी है। अधिक संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी में लगाए जाने से विवि का काम प्रभावित हो रहा है। इसका सबसे अधिक असर विद्यार्थियों पर पड़ता है। दरअसल नवंबर-दिसंबर में विश्वविद्यालय की परीक्षा होना है उसके पहले परीक्षा की तैयारी को पुख्ता करने के लिए इंटरनल टेस्ट लिया जाता है, जिसे पोस्टपोंड कर दिया गया।

विवि में स्टाफ की कमी है। इसका असर विद्यार्थियों की परीक्षा पर पड़ने लगा है। विवि के आईएमएस में इंटरनल टेस्ट 11 नवंबर से होना थे, जिसे पोस्टपोंड कर दिया गया। सूत्रों की माने तो स्टाफ की कमी के चलते परीक्षा

को पोस्टपोंड किया गया है वहीं एक कारण यह भी है कि विश्वविद्यालय के पास कॉपी की कमी होने के चलते परीक्षा को आगे बढ़ाया गया है। हालांकि प्रबंधन का कहना हैं कि हमारे पास कॉपियां तो उपलब्ध है लेकिन स्टाफ कमी है जिसके चलते परीक्षा को आगे बढ़ाया गया। जरुरत के हिसाब से नहीं है कर्मचारियों की पदस्थापना: सूत्रों की माने तो 11 नवंबर से जो इंटरनल टेस्ट होना थे, उसके लिए आवश्यक कॉपियां नहीं थी, जिस वजह से विभाग ने परीक्षा को आगे बढ़ा दिया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि जब कॉपी की कमी के चलते परीक्षा को आगे बढ़ाया गया हो। हालांकि तय तारीख के कुछ दिन बाद विभाग में कॉपियों की पूर्ति करवा दी गई।

**प्रभावित हो रहा काम, काम बोझ भी है काफी:** विवि के प्रशासनिक कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए काफी कर्मचारियों की जरूरत है, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जरूरत के हिसाब से कर्मचारियों की पदस्थापना विवि में नहीं गई है। विवि में काम का बोझ भी काफी है। ऐसे में आने वाले समय में गहरी समस्या उत्पन्न हो सकती है। विवि में परीक्षा विभाग, संबद्धता, अकादमिक, आईटी सेल, स्थापना व भंडार सहित अन्य विभाग है। परीक्षा विभाग द्वारा प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर प्रिंटिंग, परीक्षा का आयोजन, केंद्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाना, उत्तरपुस्तिका सभी केंद्र से इकट्ठा करवाना, मूल्यांकन करवाना, परीक्षा परिणाम देना, मार्कशिट पहुंचाना सहित अन्य कार्य शामिल है।

# सावधान! मोबाइल चार्जर मासूम के लिए बना जानलेवा, करंट लगने से इकलौती बेटी की मौत

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** ● यदि आपके बच्चे भी मोबाइल और चार्जर से खेलते हैं, खुद ही मोबाइल चार्ज करते हैं तो सतर्क हो जाइए। जरा सी चूक मासूमों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। एमपी के इंदौर में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसमें सात साल की एक मासूम चार्जर का प्लग चालू करते ही करंट की चपेट में आ गई और दर्दनाक मौत हो गई।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार इंदौर के हीरानगर थाना इलाके में एक बच्ची घर में पहले मोबाइल से खेल रही थी। बाद में उसने मोबाइल को चार्ज करने के लिए चार्जर को बिजल बोर्ड के प्लग में लगाया और जैसे ही स्विच आन किया तो वह चार्जर के वायर से करंट की चपेट में आ गई। जब तक परिजन को पता चला और उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, तब तक देर हो

चुकी थी। पूर्व में प्रदेश में मोबाइल चार्जर के करंट की चपेट में आने से बच्चों की मौत के कई हादसे सामने आ चुके हैं। इसमें एक मासूम बच्चे ने तो प्लग में लगे चार्जर की पिन को मुंह में दबा लिया था, करंट की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई थी। जानकारों का मानना है कि बच्चों को बिजली के प्लग और चार्जर के होल्डर से दूर रखना चाहिए। चार्जर के तार में यदि कट लगे हों तो उसे हटाकर नया चार्जर उपयोग करना चाहिए। ताकि बच्चों के साथ हादसे की आशंका न रहे।

# संभागायुक्त, कलेक्टर, सीपी और निगमायुक्त, एक्स अकाउंट सभी सक्रिय

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** ● सरकारी महकमों के फैसलों और काम की जानकारी, संबंधित विभाग के अधिकारी आजकल सबसे पहले सोशल मीडिया पर अपलोड करते हैं। इसमें भी पसंदीदा प्लेटफार्म ट्विटर यानी ङ्क है। आमजन के हिसाब से देखा जाए तो सबसे अहम अधिकारी/ विभाग इंदौर संभागायुक्त, कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, डीसीपी, इंदौर नगर निगम होते हैं। आखिर यह कितने सक्रिय हैं। इनके अकाउंट को जब द सूत्र ने खंगाला तो यह सामने आई है। आईएएस डॉ. सुदाम खाड़े अभी संभागायुक्त हैं। इंदौर कमिश्नर नाम से बने एक्स अकाउंट पर 74.2 हजार फॉलोअर्स हैं। यह खुद पांच को ही फॉलो करते हैं। इसमें मुख्यमंत्री के अकाउंट के साथ ही चुनाव आयोग, जनसंपर्क के अकाउंट हैं। इसमें बैठक और दौरों की जानकारी आती है।

**इंदौर पुलिस कमिश्नर- 23.3 हजार फॉलोअर**-आईपीएस संतोष सिंह इंदौर पुलिस कमिश्नर हैं। कमिश्नर ऑफ पुलिस इंदौर के नाम से बने ङ्क अकाउंट पर 23.3 हजार फॉलोअर्स हैं। इसमें भी पुलिस कमिश्नर के लिए गए फैसले, बैठकों की जानकारी अपलोड का जाती है।

**इंदौर कलेक्टर- 185 हजार फॉलोअर**-आईएएस शिवम वर्मा अभी

इंदौर कलेक्टर हैं। कलेक्टर इंदौर के नाम से अकाउंट है। इनके 1 लाख 85 हजार फॉलोअर्स हैं। इसमें लगातार बैठक, फैसलों की जानकारी अपलोड होती है। यह खुद सात को फॉलो करते हैं। इसमें सीएम, चुनाव आयोग, इंदौर नगर निगम के अकाउंट हैं।

**इंदौर नगर निगम- 13.8 हजार फॉलोअर**-इंदौर नगर निगम के नाम से औपचारिक अकाउंट है। इसमें 13.8 हजार फॉलोअर्स हैं। वहीं खुद निगमायुक्त दिलीप यादव का भी अकाउंट है। वहीं, यह अकाउंट उनके कटनी कलेक्टर रहने तक ही सक्रिय था। अभी इसमें कोई मैसेज नहीं है। इसमें 8 हजार 923 फॉलोअर्स हैं। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव का पुष्यमित्र भार्गव के नाम से एक्स अकाउंट है। वहीं, राजनीतिक व्यक्ति के नाते इनका अकाउंट भी खासे सक्रिय रहता है। उनके 44.9 हजार फॉलोअर्स हैं। इसपर लगातार निगम के काम, फैसले, सरकार के फैसले, पार्टी के कामों आदि की जानकारी डाली जाती है।

**इंदौर पुलिस में डीसीपी अकाउंट के हाल**-इंदौर पुलिस में सीपी के साथ ही एडिशनल सीपी अमित सिंह का भी ङ्क अकाउंट है। इनके पास 34 फॉलोअर्स ही हैं। वह खुद अधिक सक्रिय नहीं हैं। वहीं डीसीपी जोन 1 के 431 फॉलोअर्स हैं।

डीसीपी जोन 2 के 2 हजार 552 फॉलोअर्स हैं। डीसीपी जोन 3 के 311 फॉलोअर्स हैं। साथ ही, डीसीपी जोन 4 के ट्विटर अकाउंट पर 1353 फॉलोअर्स हैं। इसमें डीसीपी जोन 1, 2, 4 तो सक्रिय हैं और जानकारी अपलोड करते हैं। वहीं, जोन 3 का अकाउंट सक्रिय नहीं है। डीसीपी ट्रैफिक का अकाउंट सक्रिय है। इसके 2 हजार 779 फॉलोअर्स हैं। वहीं खुद क्राइम ब्रांच इंदौर के ट्विटर अकाउंट पर 3 हजार 888 फॉलोअर्स हैं और सक्रिय है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।